www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 28 ||अम्बेडकरनगर
रविवार
19 अप्रैल 2026 ||पृष्ठः 08 ||मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:40
सूर्यास्तः 06:32
अधिकतमः 42⁰:00
न्यूनतमः 26⁰:00

» पेज 07

विशेष समाचार फिर ताकती रह गईं महिलाएं... » पेज 04 | जज को बम से उड़ाने की ... » पेज 06 | 'फिलहाल नहीं बन रही ...

केंद्र सरकार ने दो फीसदी बढ़ाया महंगाई भत्ता, 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा

क्या है डीए और यह क्यों जरूरी है?

महंगाई भत्ता (DA) सरकारी कर्मचारियों को दिया जाने वाला 'कॉस्ट-ऑफ-लिविंग' एडजस्टमेंट है। इसका कैलकुलेशन बेसिक पे के प्रतिशत के रूप में किया जाता है। इसका मुख्य मकसद बढ़ती कीमतों के बीच कर्मचारियों की वास्तविक आय की सुरक्षा करना है, ताकि उनकी सैलरी महंगाई के साथ तालमेल बिठा सके।

गृह, वित्त, रक्षा, रेल, संचार मंत्रालय आदि से जुड़े विभागों में काम करने वाले केंद्रीय कर्मचारी होते हैं।

सैलरी-पेंशन और अलाउंस रिवाइज होगा

8वें सेंट्रल पे कमीशन का मकसद सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉई की सैलरी, पेंशन और अलाउंस को रिवाइज करना है। इसमें महंगाई, एम्प्लॉई की जरूरतें और गवर्नमेंट की अफोर्डेबिलिटी को ध्यान में रखा जाएगा। केंद्र ने 28 अक्टूबर 2025 को 8वें वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस यानी शर्तों को मंजूरी दी थी। अब कमीशन के गठन के बाद ये अपनी सिफारिशें 18 महीने के अंदर देगा।

केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ता 2% बढ़ाकर 60% किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार (18 अप्रैल) को दिल्ली में हुई कैबिनेट बैठक में इसका ऐलान किया गया। इससे लगभग 50.5 लाख कर्मचारियों और 68.3 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा।

8वां वेतन आयोग

मिनिमम बेसिक सैलरी ₹68,940

पे मैट्रिक्स लेवल	7वां वेतन आयोग बेसिक सैलरी (₹)	8वां वेतन आयोग बेसिक सैलरी (₹)
लेवल 1	18,000	68,940
लेवल 2	19,900	76,217
लेवल 3	21,700	83,111
लेवल 4	25,500	97,665
लेवल 5	29,200	1,11,836
लेवल 6	35,400	1,35,582
लेवल 7	44,900	1,71,967
लेवल 8	47,600	1,82,308
लेवल 9	53,100	2,03,373
लेवल 10	56,100	2,14,863
लेवल 11	67,700	2,59,291
लेवल 12	78,800	3,01,804
लेवल 13	1,23,100	4,71,473
लेवल 13A	1,31,100	5,02,113
लेवल 14	1,44,200	5,52,286
लेवल 15	1,82,200	6,97,826
लेवल 16	2,05,400	7,86,682
लेवल 17	2,25,000	8,61,750
लेवल 18	2,50,000	9,57,500

नोट: सैलरी हाइक का अनुमान फिटमेंट फैक्टर (3.83) के आधार पर है।

फायदा

पिछली बार केंद्र सरकार ने दीवाली पर कर्मचारियों के महंगाई भत्ते एवं पेंशनरों की महंगाई राहत में तीन फीसदी की बढ़ोतरी की थी। उस समय (अक्तूबर में) डीए को 55% से बढ़ाकर 58% किया गया था, जो 1 जुलाई 2025 से प्रभावी हुआ था। उस बढ़ोतरी का एरियर भी कर्मचारियों और पेंशनर्स को दिया गया था, जिससे उन्हें अतिरिक्त लाभ मिला था।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (DA) और महंगाई राहत (DR) में 2% की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। सरकार ने DA-DR 58% से बढ़कर 60% किया है। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी 2026 से लागू होगी। इस फैसले से सरकार का सालाना 6,791 करोड़ रुपए का खर्च बढ़ेगा।

इससे पहले अक्टूबर में महंगाई भत्ते को 55% से बढ़ाकर 58% किया गया था। पिछला रिविजन 1 जुलाई 2025 से प्रभावी माना गया था, जिसका भुगतान एरियर के साथ किया गया था। >> (शेष पेज 06 पर)

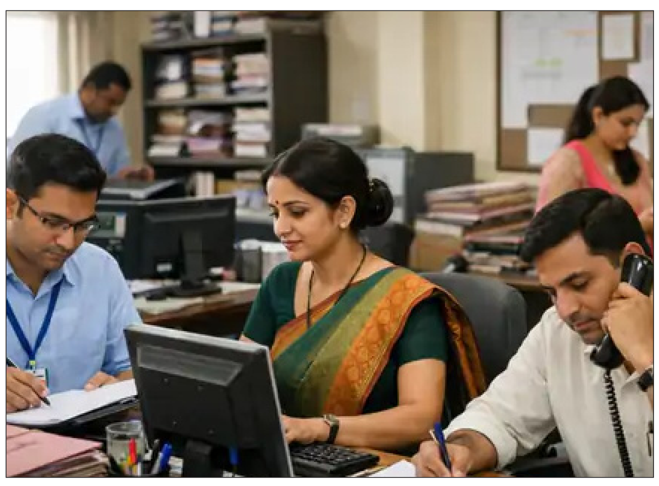

सैलरी सिस्टम, पेंशन जैसे मुद्दों पर विचार करता है कमीशन

सेंट्रल पे कमीशन को हर कुछ सालों में बनाया जाता है, ताकि सैलरी सिस्टम, पेंशन जैसे मुद्दों पर विचार किया जा सके। ये कमीशन देखता है कि क्या बदलाव जरूरी हैं और फिर सिफारिशें देता है। आम तौर पर, इन सिफारिशों को हर दस साल बाद लागू किया जाता है। इसी पैटर्न के हिसाब से 8वें सेंट्रल पे कमीशन की सिफारिशें भी जल्द लागू होने की उम्मीद है।

आठवां वेतन आयोग जल्द लागू हो सकता है, लेकिन इसे पूरी तरह इम्प्लीमेंट होने में 2028 तक का इंतजार करना पड़ सकता है। यानी, कर्मचारियों को 17-18 महीने का एरियर एकमुश्त या किस्तों में मिलेगा। इससे 50 लाख कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा।

8वें वेतन आयोग में बेसिक पे 69,000 करने की मांग

यह फैसला ऐसे समय आया है, जब कर्मचारी संगठन 8वें वेतन आयोग के तहत सैलरी स्ट्रक्चर में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। नेशनल काउंसिल-जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी (NC-JCM) ने अपने ज्ञापन में 3.83 के हायर फिटमेंट फैक्टर की मांग की है।

अगर यह मांग मानी जाती है, तो न्यूनतम बेसिक पे 18,000 से बढ़कर करीब 69,000 हो सकती है। संगठन ने सैलरी कैलकुलेशन के लिए परिवार की परिभाषा में आश्रित माता-पिता को शामिल करने और वेतन विसंगतियों को दूर करने का सुझाव भी दिया है।

हालांकि आठवें वेतन आयोग के लागू होने की टाइमलाइन का ऐलान अभी तक नहीं हुआ है।

महंगाई के असर को कम करने की कोशिश

महंगाई भत्ता (डीए) का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों और पेंशनरों की आय को महंगाई के प्रभाव से बचाना है। यह बेसिक सैलरी के प्रतिशत के रूप में तय किया जाता है और हर साल दो बार संशोधित किया जाता है। डीए की गणना औद्योगिक श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-IW) के आधार पर की जाती है, जिसे श्रम मंत्रालय के तहत लेबर ब्यूरो हर महीने जारी करता है।

महाराष्ट्र ओडिशा और बिहार से चार संदिग्ध गिरफ्तार

खिलौने में बम लगाकर हमले की तैयारी में थे

शिकंजा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से चार संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इनके पास से IED और उससे जुड़ा सामान बरामद हुआ है।

आरोपियों में दो महाराष्ट्र और एक-एक ओडिशा और बिहार के हैं। इनकी पहचान मोसाइब अहमद, मोहम्मद हम्माद, मोहम्मद सोहेल और शेख इमरान के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दो आरोपी एक रिमोट कंट्रोल खिलौना कार में IED फिट करने की तैयारी में थे।

सोशल मीडिया के जरिए और लोगों को जोड़ने की साजिश थी

जांच में यह भी सामने आया कि शेख इमरान दिसंबर 2025 में दिल्ली गया था। उसने रेड फोर्ट और इंडिया गेट जैसे जगहों की रेकी की थी। एजेंसियों के अनुसार, इन लोगों ने राम मंदिर, संसद भवन और सैन्य ठिकानों जैसे बड़े टारगेट पर हमले की भी चर्चा की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल पर एफआईआर का अपना आदेश हाईकोर्ट जज ने बदला

बिना नोटिस केस दर्ज करना सही नहीं माना

बदलाव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सांसद राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज करने का अपना ही आदेश बदल दिया है। मामला दोहरी नागरिकता से जुड़ा है। कोर्ट ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर नया आदेश जारी किया। कोर्ट ने बताया कि शुक्रवार (17 अप्रैल) को सुनवाई हुई थी। इसमें याचिकाकर्ता समेत केंद्र और राज्य सरकार के वकीलों से पूछा गया था कि क्या राहुल गांधी को नोटिस जारी करने की जरूरत है? वकीलों ने नोटिस जारी करने की कोई जरूरत नहीं बताई थी। इसके बाद FIR दर्ज करने का आदेश पारित कर दिया गया था। हालांकि, आदेश टाइप होने से पहले न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने फिर से फैसले को परखा। उन्होंने पुराने केसों की स्टडी में पाया कि ऐसे मामलों में नोटिस भेजना जरूरी है।

याचिकाकर्ता बोला- सीजेआई से शिकायत करेंगे

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

हिमंता बोले-ममता ने वोट के लिए जमीन बांग्लादेशियों को बेची

कोलकाता। असम CM हिमंत बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने ने वोटों के लिए बंगाल की जमीन बांग्लादेशी मुसलमानों को बेच दी है। कलिम्पोंग में एक रैली के दौरान हिमंता ने कहा कि जब से ममता CM बनी हैं, उन्होंने पूरे बंगाल को बर्बाद कर दिया है।

घटना | रुकावट

पुणे में एयरफोर्स के विमान की हार्ड लैंडिंग

पुणे । पुणे इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार रात भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान की हार्ड लैंडिंग हुई। रात 10:30 बजे हुई इस घटना के बाद रनवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। जिसके कारण एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन करीब 11 घंटे तक प्रभावित रहा। पुणे एयरपोर्ट के डायरेक्टर संतोष धोके ने बताया कि IAF के विमान को सुबह करीब 5.45 बजे रनवे से हटा दिया गया था। लेकिन नोटम का टाइम बढ़ाकर सुबह 9 बजे कर दिया गया था। हालांकि फ्लाइट ऑपरेशन सुबह 7.30 बजे के बाद नॉर्मल हो सका।

टीसीएस नासिक केस- आरोपी निदा खान फरार

मुंबई। नासिक के TCS ऑफिस में धर्मांतरण और यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपी निदा खान 8 दिन से फरार है। पुलिस के मुताबिक, उसे ढूंढने के लिए तीन अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। निदा के पति को शुक्रवार को पूछताछ के लिए मुंबई पुलिस ने हिरासत में लिया।

ईरान ने दोपहर में आवाजाही रोकने का ऐलान किया था, अमेरिकी सेना भी नाकाबंदी में जुटी

होर्मुज से गुजर रहे 2 जहाजों पर गोलीबारी

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी। होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे दो जहाजों पर ईरान के गनबोट्स ने गोलीबारी की। यह घटना तब हुई जब ईरान ने इस समुद्री रास्ते पर फिर से सख्त नियंत्रण लागू करने का ऐलान किया था।

UK मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर के मुताबिक टैंकर के कप्तान ने बताया कि ईरान की रिवोल्यूशनरी गाड्र्स की दो गनबोट उसके पास आईं और बिना रेडियो चेतावनी सीधे टैंकर पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जहाज स्टेट पार किए बिना ही लौट गए। ईरान ने ऐलान किया था कि वह स्ट्रेट पर अपनी सैन्य निगरानी दोबारा कड़ी कर रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका हर हालत में ईरान के पास मौजूद एनरिच्ड यूरेनियम लेकर रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बातचीत से समझौता नहीं हुआ, तो यह काम और सख्त तरीके से भी किया जा सकता है।

लेबनान में यूएन शांति सैनिकों पर हमला फ्रांसीसी जवान की मौत, 3 घायल

लेबनान में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन पर तैनात फ्रांसीसी सैनिकों पर हुए हमले में एक जवान की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस हमले के पीछे हिजबुल्लाह का हाथ होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सभी संकेत इसी ओर इशारा करते हैं और लेबनानी अधिकारियों से हमलावरों को जल्द गिरफ्तार करने की अपील की है। दूसरी ओर, लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने इस हमले की कड़ी निंदा की है और UN शांति बल के फ्रांसीसी दल पर हुए हमले की तत्काल जांच के आदेश दिए हैं।

निजी स्कूल के टॉपर दावे पर विवाद, अंतर से उठे सवाल

ए के पब्लिक स्कूल पर हेरफेर के आरोप, प्रशासन से जांच की मांग तेज

आरोप

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकर नगर । सीबीएसई बोर्ड से जुड़े एक निजी विद्यालय के परीक्षा परिणाम को लेकर गंभीर सवाल सामने आए हैं। तमसा मार्ग स्थित ए के पब्लिक स्कूल पर आरोप है कि उसने एक छात्र को जिला टॉपर घोषित किया, जबकि वास्तविक परिणाम में उसका नाम टॉप फाइव सूची में भी शामिल नहीं है। इस मामले ने शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार स्कूल द्वारा जारी की गई टॉपर सूची और आधिकारिक परीक्षा परिणाम में अंतर पाया गया है। जिस छात्र को विद्यालय ने टॉपर बताया, वह जिले की आधिकारिक मेरिट सूची में शीर्ष पांच स्थानों पर नहीं है। इसी कारण रिजल्ट प्रस्तुति को लेकर विवाद गहराता जा रहा है।मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि परिणाम प्रस्तुत करने में गड़बड़ी की गई है। >> (शेष पेज 06 पर)

पहले भी उठ चुके सवालों की चर्चा

स्थानीय चर्चाओं में यह भी सामने आ रहा है कि इस तरह की स्थिति पहली बार नहीं है। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसके बावजूद मामला शिक्षा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार विद्यालय भवन के निर्माण को लेकर भी पहले सवाल उठते रहे हैं। हालांकि इन बिंदुओं पर कोई आधिकारिक कार्रवाई या पुष्टि सामने नहीं आई है।

अलर्ट : स्कूलों की टाइमिंग बदली, चलती बाइक में आग लगी, हाथी को बार-बार नहलाया जा रहा

यूपी में सीजन का सबसे गर्म दिन

45.4 डिग्री सेल्सियस पारा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में भीषण गर्मी पड़ रही है। पारा 45C के पार पहुंच गया। शनिवार सुबह से ज्यादातर जिलों में तेज धूप है। गर्म हवाएं चल रही हैं। शुक्रवार को बांदा का तापमान 45.4C रिकॉर्ड किया गया। यह पूरे देश में सबसे ज्यादा था। पिछले साल अप्रैल के आखिरी हफ्ते यानी 27 अप्रैल को पारा 45C के पार पहुंचा था।

>> (शेष पेज 06 पर)

लंबे समय तक चल सकती है हीटवेव

IMD के अनुमान के अनुसार, इस साल कुछ इलाकों में लंबे समय तक हीटवेव की स्थिति बन सकती है। इसका मतलब है कि कई शहरों में लगातार कई दिनों तक तापमान बहुत ज्यादा रह सकता है और लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ सकता है।

बेसिक शिक्षा विभाग बोला- बच्चों को लू से बचाने के करें इंतजाम

प्रदेश में बढ़ती गर्मी और लू के खतरे को देखते हुए बेसिक शिक्षा विभाग अलर्ट हो गया है। शिक्षा निदेशक (बेसिक) ने सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। आदेश में कहा कि प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में लू से बचाव की तैयारी सुनिश्चित की जाए। स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा गया है।

गोरखपुर में शुक्रवार को चलती बाइक में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। राइडर तुरंत बाइक सड़क पर छोड़कर दूर भागा।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया-प्रदेश के दक्षिणी भाग में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार करने के साथ शुष्क पछुआ हवाएं जारी रहने से लू जैसे हालात बनेंगे। महाराष्ट्र के आसपास बने प्रतिचक्रवात (एंटी-साइक्लोन) के असर से आगामी 2-3 दिनों के दौरान तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। पूर्वी यूपी में कहीं-कहीं लू चलने की संभावना है।

पकड़ा गया नोएडा वर्कर्स प्रोटेस्ट हिंसा मामले का मास्टरमाइंड

पुलिस ने उसे तमिलनाडु से गिरफ्तार किया

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा में वर्कर्स के हिंसक प्रदर्शन मामले में उत्तर प्रदेश की एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता को दबोच लिया है। पुलिस ने उसे तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। नोएडा में वर्कर्स के हिंसक प्रदर्शन मामले में उत्तर प्रदेश की एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता आदित्य आनंद को दबोच लिया है। पुलिस ने उसे तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने बताया था कि नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जांच में कई खुलासे हुए है। जांच में पता चला है कि हिंसा फैलाने के लिए कथित तौर पर 80 से अधिक व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर सुनियोजित तैयारी की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, जांच में पता चला है कि हिंसा भड़काने के लिए तीन दिन से कई स्तरों पर तैयारी हो रही थी।

80 से ज्यादा व्हाट्सऐप ग्रुप पर हिंसा भड़काने वाले मैसेज

>> (शेष पेज 06 पर)

कलंकित करने वाली रात : अपर्णा यादव

विपक्ष का चेहरा दिखावटी, नारी शक्ति इनको कुचल देगी, लखनऊ में सपा-कांग्रेस का झंडा जलाया

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में भाजपा नेता और यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने शुक्रवार देर रात विधानसभा के सामने प्रदर्शन किया। लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़ा बिल गिरने को लेकर आयोग के पदाधिकारियों और समर्थकों के साथ बीच सड़क पर सपा और कांग्रेस का झंडा जलाया, नारेबाजी की।

अपर्णा ने कहा सुबह हम लोग जश्न मनाने वाले थे। लेकिन, आज की रात काली साबित हुई। ये लोग दुर्योधन और दुःशासन जैसे हैं। इसलिए इनका झंडा जला रहे हैं। यह विरोध हम लोग इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि नारी शक्ति अधिनियम

लखनऊ में समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर महिलाओं ने शुक्रवार की रात प्रदर्शन किया।

का बिल पास नहीं हुआ। अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। उन्होंने कहा- विपक्ष ने कहा है कि यह बिल दिखावटी है तो हम उन्हें जवाब देते हैं कि उन सभी लोगों का चेहरा भी दिखावटी है। सारे विपक्षी यही काम करते आए हैं। वो कभी नहीं चाहते कि आम घर की बेटी और बहू निकलकर आए और सदन तक पहुंचे। वह सिर्फ अपने परिवार को प्रमोट करना चाहते हैं। नारी शक्ति इन लोगों को कभी माफ नहीं करेगी। समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर भी रात 10 बजे के करीब महिलाओं प्रदर्शन किया। महिला आरक्षण से जुड़ा बिल पास नहीं होने से नाराज होकर अखिलेश यादव-राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए। यूपी महिला आयोग की सदस्य ने कहा- बिल पास नहीं होने से महिलाओं का सपना टूट गया।

विपक्ष का कुरूप चेहरा उजागर हुआ

अपर्णा ने कहा कि अगर यह बिल पास हो जाता तो सुबह जश्न होता। इसे लेकर अलग-अलग कार्यक्रमों के लिए हम प्रदेश के अलग-अलग जिलों में जा रहे थे। हमें पूरा विश्वास था कि बिल जरूर पास होगा। प्रधानमंत्री को हम बार-बार धन्यवाद देते हैं कि विपक्ष के कुरूप चेहरे को उजागर किया। उन्होंने कहा- नारी शक्ति अधिनियम को पास करवाने के लिए पीएम ने बहुत प्रयास किया था। लेकिन, आज जो कुछ हुआ है, वह ठीक नहीं है। यह कलंकित कर देने वाली रात है। हमारे यहां जहां भारत माता की जय का नारा लगाया जाता है। नारी शक्ति इन्हें माफ नहीं करेंगी। इन्हें कुचल देगी।

दो-तिहाई बहुमत से पास होना था बिल

दरअसल, सरकार महिला आरक्षण बिल से जुड़ा संविधान का 131वां संशोधन बिल, लोकसभा में पास नहीं करा पाई। इसमें संसद की 543 सीटें बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान था। लोकसभा में बिल पर 21 घंटे की चर्चा के बाद वोटिंग हुई। उपस्थित 528 सांसदों ने वोट डाले। पक्ष में 298, विपक्ष में 230 वोट पड़े। बिल पास कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत थी।

अपर्णा ने कहा- बिल पास न होने देकर विपक्ष ने कलंकित करने वाला काम किया है। नारी शक्ति इन लोगों को कभी माफ नहीं करेगी।

इंदिरा नगर में चौराहे पर सड़क धंसी-वॉटर पाइपलाइन टूटी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के न्यू हैदराबाद स्थित पोस्ट ऑफिस के पास नाला निर्माण कार्य के दौरान जेसीबी से खुदाई करते समय पानी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इसके साथ ही इंदिरानगर स्थित शालीमार चौराहे पर सड़क धंसने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। इसके कारण दिन भर रुक-रुक कर जाम के हालत बनते रहे।

न्यू हैदराबाद में पाइपलाइन टूटने से मौके पर पानी भर गया और आसपास क्षेत्र में दिक्कतें बढ़ गईं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ है। सूचना मिलने पर जल कल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। पानी निकालने के साथ मरम्मत कार्य शुरू किया। हालांकि क्षेत्रवासियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। कई घरों में पानी आपूर्ति प्रभावित हुई है।

इंदिरानगर स्थित शालीमार चौराहे

घरों में नहीं आया पानी, रोड पर ट्रैफिक जाम से वाहन चालक हो रहे परेशान

पर सड़क धंसने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़क धंसने की सूचना मिलते ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया।

कर्मचारियों ने प्रभावित हिस्से की बैरिकेडिंग कर यातायात को सुरक्षित तरीके से संचालित कराया। व्यस्त चौराहे पर सड़क धंसने से कुछ समय तक ट्रैफिक प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों ने जल्द स्थाई समाधान की मांग की है।

फास्ट न्यूज

रिटायर्ड महिला कंसल्टेंट से 3.71 लाख की ठगी

मोहनलालगंज। लखनऊ में एक सेवानिवृत्त महिला के बैंक खाते से 3.71 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। वीना तिवारी मिश्रा, जो राम मनोहर लोहिया संयुक्त चिकित्सालय, लखनऊ की वरिष्ठ परामर्श-दात्री के पद से सेवानिवृत्त हुई हैं, ने पुलिस को बताया कि उन्हें अपनी मासिक पेंशन एसबीआई शाखा इन्दिरा नगर, फैजाबाद रोड स्थित बचत खाते में प्राप्त होती है।

लखनऊ में समाधान दिवस में भूमि विवाद की शिकायतें आई

लखनऊ। लखनऊ के सरोज-नीनगर तहसील कार्यालय में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील-दार सुखबीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस दिवस में भूमि विवाद, अवैध कब्जे और अवैध प्लाटिंग से संबंधित शिकायतों की भरमार रही।

फरियादियों ने कई गांवों की सरकारी और पैतृक जमीनों पर कब्जे तथा अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को इन शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

अपर्णा के खिलाफ सपा महिला विंग का प्रदर्शन

लखनऊ। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के सपा-कांग्रेस का झंडा जला दिया। इससे नाराज सपा महिला विंग की कार्यकर्ताओं ने शनिवार को लखनऊ में पार्टी ऑफिस के बाहर जमकर नारेबाजी की। अध्यक्ष जूही सिंह ने कहा- अपर्णा ने पार्टी का झंडा जलाया। यह निंदनीय और गैरकानूनी है।

कार की टक्कर से सपा नेता और मौजूदा बीडीसी की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । लखनऊ में कार की टक्कर से सपा नेता और मौजूदा BDC की मौत हो गई। तेज रफ्तार इऑन कार ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मारी। जिससे वह खून से लथपथ होकर गिर पड़े। आसपास के लोगों ने कार ड्राइवर को दौड़ाकर पकड़ लिया और बीडीसी सदस्य को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। वहां उसने दम तोड़ दिया।

घटना काकोरी थाना क्षेत्र के बेहटा चौराहे पर शनिवार को हुई। मृतक की पहचान खुर्रमपुर बेहटा के नौमीलाल यादव के बेटे आशीष यादव (38) के रूप हुई। वह बेहटा के सपा के सेक्टर प्रभारी थे। अपने दोस्त मनीष रावत के साथ गांव से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान गांव से निकलते ही यह दुर्घटना हो गई। इसमें आशीष को गंभीर चोटें आईं और उनका दोस्त मामूल चोटिल हुआ। हादसे के तुरंत बाद मौके पर

मौजूद स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद की। उन्होंने कार ड्राइवर बृजेश पटेल (पुत्र ओमकार नाथ पटेल, निवासी मवई पंडियाना) को पकड़ लिया और पुलिस को घटना की सूचना दी। गंभीर रूप से घायल आशीष यादव को तत्काल सरोजिनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) पहुंचाया गया था। डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक आशीष यादव की पत्नी पूनम का रो-रोकर बुरा हाल है। उनकी दो बेटियां पीहू-रूही और एक बेटा रौनक है। हादसे में जान गवाने वाले आशीष यादव सरोजिनीनगर ब्लॉक में बीडीसी पद पर थे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बने निगरानी समिति, जरूरत पड़ी तो मारने की भी अनुमति

बंदरों के बढ़ते आतंक पर एचसी ने दिए सख्त आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मानव-वन्यजीव संघर्ष की निगरानी के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित की जाएगी। इसमें वन विभाग, पुलिस, पशुपालन और स्थानीय निकायों के अधिकारी शामिल होंगे। सभी वन अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट जिलाधिकारी और उच्च अधिकारियों को उपलब्ध कराएं।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में तैयार अंतरिम कार्ययोजना के तहत अब अत्यधिक प्रभावित क्षेत्रों में सीमित अवधि के लिए बंदरों को मारने की अनुमति भी दी जा सकेगी। इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक

सुनील चौधरी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। सरकार की इस कार्ययोजना में तात्कालिक, निरोधात्मक और दीर्घकालीन उपाय शामिल किए गए हैं। इसका उद्देश्य बंदरों से होने वाली घटनाओं पर तुरंत नियंत्रण के साथ-साथ स्थायी समाधान तैयार करना है। जनता की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी कर उसका व्यापक प्रचार किया जाएगा। इसके साथ ही बंदरों को पकड़ने में दक्ष व्यक्तियों और संस्थाओं का पंजीकरण अनिवार्य किया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर त्वरित कार्रवाई की जा सके।

ज्यादा प्रभावित इलाकों में सख्त कदम

दीर्घकालीन उपायों के तहत जिन क्षेत्रों में बंदरों का आतंक अधिक है, वहां सीमित समय के लिए उन्हें मारने की अनुमति देने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा बंदरों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए तकनीकी उपाय भी लागू किए जाएंगे। कुछ मामलों में पकड़े गए बंदरों को रेस्क्यू सेंटर में आजीवन रखने की व्यवस्था भी की जाएगी।

तात्कालिक कार्रवाई के तहत सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एक महीने के भीतर प्रभावित क्षेत्रों की पहचान करें और बंदरों की संख्या का आकलन करें। साथ ही सूचना के आदान-प्रदान के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे।

विधानसभा का विशेष सत्र आहूत हो सकता है, कल प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे योगी-पंकज चौधरी

महिलाओं के बीच सपा और कांग्रेस को घेरेगी भाजपा

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। विपक्षी दलों के विरोध के चलते लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए संविधान संशोधन बिल गिरने पर भाजपा समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को घेरेगी। इसको लेकर 21 अप्रैल को लखनऊ में महिलाओं का विरोध प्रदर्शन होगा। बीजेपी के महिला मोर्चा के बैनर प्रदेश भर से महिलाएं सपा और कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगी।

महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण के मुद्दे पर संविधान संशोधन बिल पर लोकसभा में दो दिन तक चली बहस में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव

सहित तमाम सांसदों ने बिल का विरोध किया था। वहीं नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिल का विरोध किया। भाजपा का महत्वाकांक्षी बिल गिरने पर पार्टी ने विपक्ष को घेरने की योजना बनाई है। भाजपा की महिला विधायक, महिला मोर्चा की पदाधिकारी गांव-गांव और शहरों में गली-गली में जाकर महिलाओं को बताएंगे कि कांग्रेस-सपा नहीं चाहते थे कि संसद और विधानसभा में महिलाओं की संख्या बढ़े।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने शनिवार सुबह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी इस मुद्दे पर विपक्ष को घेरने की बात की है। सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष से बातचीत के बाद सीएम योगी ने शाम 7 बजे अपने आवास पर बैठक का आयोजन रखा है। बैठक में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, महामंत्री संगठन धर्मपाल सहित अन्य लोग मौजूद रहेंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ के आवास पर आज शाम महत्वपूर्ण बैठक होगी। बैठक में महिलाओं के बीच विपक्षी दलों की महिला विरोधी नीति उजागर करने की रणनीति बनाई जाएगी। सूत्रों के मुताबिक रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी प्रेस कांफ्रेंस कर सकते हैं। वहीं विपक्षी दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित कराने के लिए सरकार विधानसभा का विशेष सत्र आहूत कर सकती है।

'लखनऊ अग्निकांड पर डीएम और नगर निगम जवाब दें'

हाईकोर्ट ने पूछा- 20 साल से पी डब्ल्यू डी की जमीन पर अतिक्रमण कर कैसे बसे लोग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने राजधानी के विकासनगर जलीं 250 झोपड़ियों के मामले में अहम सवाल किया है। शुक्रवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी और नगर निगम को 30 मई तक विस्तृत जवाबी शपथपत्र दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। CMO और मुख्य अग्निशमन अधिकारी से भी शपथपत्र मांगा है।

न्यायालय ने सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्ता से सवाल किया कि आखिर 20 वर्षों से पीडब्ल्यूडी की लगभग चार बीघा जमीन पर 1455 लोग कैसे अतिक्रमण कर बस गए? कोर्ट ने यह भी जानना चाहा कि इन लोगों को बिजली और कुकिंग गैस के कनेक्शन किन कंपनियों के माध्यम से मिले और

अब तक प्रशासन इस पर निष्क्रिय क्यों रहा?

हाईकोर्ट ने अग्निकांड मामले में प्रशासन को तत्काल राहत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। 15 अप्रैल को हुए इस अग्निकांड के पीड़ितों को भोजन, रहने की व्यवस्था और समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को कहा गया है।

न्यायालय ने पीडब्ल्यूडी और प्रदेश के राहत आयुक्त को भी पक्षकार बनाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने संकेत दिया कि पूरे प्रकरण की जांच कराई जा सकती है। साथ ही, अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि भविष्य में किसी भी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण न होने दिया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने पारित किया। यह खंडपीठ अनुराग त्रिपाठी की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

राजधानी के पॉश इलाकों में से एक विकासनगर में बुधवार शाम करीब 5.30 बजे लगी आग में 30 से ज्यादा सिलेंडर फटे। आग की चपेट में आकर 250 से अधिक झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। करीब 10 किमी. दूर तक धुएं का गुबार दिखाई दिया।

एलयू में स्टूडेंट्स ने वीसी ऑफिस घेरा बोले- कुलपति होश में आओ

लखनऊ में एंट्रेंस-सेल्फ फाइनेंस कोर्स की बढ़ी फीस पर बवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में NSUI के सदस्य छात्रों ने कुलपति कार्यालय का घेराव किया। प्रवेश परीक्षा और सेमेस्टर शुल्क में हुई बढ़ोत्तरी को तत्काल वापस लेने की मांग को लेकर नारेबाजी की। कहा- कुलपति होश में आओ। अंडर ग्रेजुएट (UG) एंट्रेंस एप्लीकेशन फीस और सेल्फ़ फाइनेंसड कोर्स की फ़ीस में भारी बढ़ोतरी स्वीकार नहीं है। छात्रों का कहना है कि यह बढ़ोतरी इतनी अधिक है कि सामान्य वर्ग के साथ-साथ गरीब व मध्यम-वर्गीय परिवारों से आने वाले छात्रों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना कठिन हो गया है। छात्रों ने कहा- वर्तमान में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से फीस बढ़ाए जाने पर ऐसा

लग रहा है कि शिक्षा का निजीकरण किया जा रहा है।

इसे एक व्यवसायिक मॉडल के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है। विरोध कर रहे छात्रों से इस दौरान प्राक्टोरियल बोर्ड की टीम से धक्का मुक्की भी हुई। इस मौके पर डॉ. राकेश द्विवेदी ने छात्रों को समझाया और उनसे ज्ञापन लिया।

NSUI के प्रतिनिधियों ने इस बात पर जोर दिया कि बढ़ती एप्लीकेशन और कोर्स फीस आर्थिक रूप से कमज़ोर तबके के छात्रों पर बहुत ज़्यादा असर डालती है, जिससे काबिल उम्मीदवारों को पढ़ाई के मौकों से दूर रहना पड़ सकता है।

राहुल-स्टालिन की तस्वीर को सड़कों पर कुचला

लखनऊ । लखनऊ में विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास न होने पर विरोध जताया और प्रदर्शन किया। इस दौरान संगठन के सदस्यों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एमके स्टालिन समेत अन्य विपक्षी नेताओं की तस्वीर को पैरों से रौंदा। प्रदर्शनकारियों ने महिला विरोधी सोच वाली कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शन-कारियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। स्थिति को देखते हुए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर हालात को नियंत्रित किया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि सपा और कांग्रेस का महिला विरोधी चेहरा उजागर हो गया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को सदन में गिराकर कांग्रेस सपा और विपक्षी दलों ने महिलाओं के अधिकार को उनसे वंचित करने की कोशिश की।

घेराव : जनगणना और परिसीमन से पहले आरक्षण लागू करने पर उठाए सवाल

महिला आरक्षण संशोधन पर डिम्पल यादव का हमला

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि भाजपा का मुख्य काम भ्रम फैलाना बन गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में महिला वंदन अधिनियम सभी दलों के समर्थन से पारित हो चुका है, लेकिन अब जो संशोधित बिल लाया गया है, उसके पीछे महिलाओं को वास्तविक आरक्षण देने की मंशा नहीं दिखती।

डिम्पल यादव ने कहा कि संविधान के अनुसार पहले जनगणना होना जरूरी है, ताकि सटीक आंकड़ों के आधार पर

परिसीमन किया जा सके। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जनगणना के आंकड़े ही उपलब्ध नहीं हैं तो सीटों का निर्धारण किस आधार पर किया जाएगा। उनका कहना है कि सरकार केवल माहौल बनाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने आगामी चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि कई राज्यों में चुनाव होने वाले हैं और उत्तर प्रदेश में भी अगले वर्ष चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में सरकार की जल्दबाजी उसकी नीयत पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि

"डिम्पल यादव ने भाजपा पर चुनावी हथकंडों का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के समय पैसे बांटना, जुमलेबाजी करना या साजिश रचना अब काम नहीं आएगा, क्योंकि जनता सच्चाई समझ चुकी है।

जब परिसीमन जनगणना के बाद ही होता है, तो पहले ही निष्कर्ष निकालना समझ से परे है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सोच है कि समाज की आखिरी पंक्ति में खड़ी महिला तक उसके अधिकार पहुंचें और आरक्षण का लाभ सीमित वर्ग तक ही न रह जाए। उन्होंने अल्पसंख्यक और ओबीसी महिलाओं को भी आरक्षण में शामिल करने की मांग दोहराई और आरोप लगाया कि भाजपा इन वर्गों को उनका हक नहीं देना चाहती।

लक्ष्य पूर्ति तेज करने के निर्देश, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण पर जोर

पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा में सीडीओ सख्त

बैठक

- योजना के लक्ष्य और उपलब्धि की स्थिति
- समन्वय और कार्य गति बढ़ाने पर जोर
- लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकर नगर । पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति को लेकर विकास भवन सभागार में विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने की। बैठक में योजना की प्रगति, बैंकिंग प्रक्रिया, विद्युत विभाग से जुड़े मुद्दों और लंबित आवेदनों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई।

समीक्षा में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरे कर लिए गए हैं। वहीं वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित 4528 लक्ष्यों के सापेक्ष अब तक 2196 मामलों में कार्य पूर्ण हुआ है। कुल 6469 लक्ष्यों में से 4137 की उपलब्धि दर्ज की गई है। शेष कार्य को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए गए।

सीडीओ ने विद्युत विभाग और यूपी नेडा अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक लाभार्थियों को योजना से जोड़ा जाए और सोलर पावर प्लांट की स्थापना में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय समन्वय मजबूत कर लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए।

बैठक में जिला विकास अधिकारी, यूपी नेडा परियोजना अधिकारी, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि और बैंकवार नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

बैंकिंग प्रक्रिया पर सीडीओ की नाराजगी

बैठक में बैंकवार लंबित आवेदनों की समीक्षा की गई। इसमें पाया गया कि बैंक ऑफ बड़ौदा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक सहित कई बैंकों में ऋण स्वीकृति और वितरण से जुड़े कई मामले लंबे समय से लंबित हैं। 15 दिन से अधिक समय तक फाइलों के अटके रहने और दस्तावेजों में देरी पर मुख्य विकास अधिकारी ने नाराजगी जताई। सभी बैंक प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि आवेदनों का समयबद्ध और पारदर्शी निस्तारण किया जाए।

मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि योजना का उद्देश्य आम लोगों को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराना है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समय पर कार्य न करने वाले अधिकारियों और बैंक शाखाओं पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

गन्ने की फसल पर चोटी बेधक और अर्ली शूट बोरर का खतरा

किसानों के लिए गन्ना विभाग की एडवाइजरी जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर । गन्ने की फसल पर इन दिनों चोटी बेधक (टॉप बोरर) और अर्ली शूट बोरर का प्रकोप बढ़ने लगा है। इसे देखते हुए गन्ना विभाग ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने बताया कि इस समय चोटी बेधक कीट की द्वितीय पीढ़ी सक्रिय है, जो फसल को नुकसान पहुंचा सकती है।

विभाग के अनुसार इस कीट की मादा शलभ चांदी जैसी सफेद होती है। इसके पिछले हिस्से में नारंगी रंग की रोयेदार संरचना पाई जाती है। यह कीट रात में सक्रिय रहता है और गन्ने की पत्तियों की मध्य शिरा के पास 75 से 250 तक अंडे देता है। अंडों से निकलने वाली सूंडियां पत्तियों को खाकर फसल को नुकसान पहुंचाती हैं।

गन्ना विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे अपने खेतों और आसपास के क्षेत्रों की नियमित निगरानी करें। जहां भी सूंडियां दिखाई दें, वहां तुरंत प्रभावित पत्तियों को तोड़कर नष्ट कर दें। इससे कीट के फैलाव को रोका जा सकता है। एडवाइजरी में रासायनिक उपाय भी बताए गए हैं। किसानों को सलाह दी गई है कि क्लोरोपाइरीफॉस 20 प्रतिशत ईसी की 5 लीटर मात्रा को 1875 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से खेत में ड्रेंचिंग कर सिंचाई करें। इसके अलावा बुआई के 45 दिन बाद निम्न विकल्प अपनाए जा सकते हैं:

फिप्रोनिल 40 प्रतिशत + इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्ल्यूजी की 500 ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर या क्लोरेन्ट्रानिलिप्रोल 8 प्रतिशत + थायोमेथॉक्सम 17.5 प्रतिशत की 600 ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर

इन दवाओं को 1000 लीटर पानी में मिलाकर ड्रेंचिंग के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन कीटनाशकों का बार-बार उपयोग न करें। इनका प्रभाव लंबे समय तक रहता है, इसलिए जरूरत के अनुसार ही इस्तेमाल करें।

फास्ट न्यूज

आरआरसी सेंटर को चोरों ने बनाया निशाना

अंबेडकर नगर । सम्मनपुर थाना क्षेत्र में चोरी की घटना सामने आई है। सम्मनपुर गांव स्थित आरआरसी सेंटर को बीती रात चोरों ने निशाना बनाया। घटना में हजारों रुपये के सामान की चोरी होने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार चोर रात के समय सेंटर में घुसे और वहां रखा सामान उठा ले गए। सुबह जब स्थानीय लोग और जिम्मेदार मौके पर पहुंचे तो घटना का पता चला।

मिशन शक्ति कार्यक्रम में नारी सशक्तिकरण पर जोर

अंबेडकर नगर । पतौना स्थित रामनाथ परमात्मा प्रसाद जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महिला जागरूकता को लेकर खेल प्रतियोगिता और विचार संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सत्यदेव तिवारी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं के राजनीतिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

नाबालिग को बहला ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

अंबेडकर नगर। महिला अपराधों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत अहिरौली पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ संबंध बनाने का आरोप है। पुलिस टीम ने तलाश के दौरान मिली सूचना के आधार पर खरिकाभारी गांव निवासी 23 वर्षीय शेरबहादुर निषाद को गिरफ्तार किया।

आर.के.एन. पब्लिक स्कूल में 10वीं के परिणाम पर समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

75 से 95 प्रतिशत तक अंक लाकर छात्रों ने दर्ज कराई मजबूत सफलता

अंबेडकर नगर । हासिमगढ़, छितोनी स्थित आर.के.एन. पब्लिक स्कूल में कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम को लेकर समारोह आयोजित किया गया। सीबीएसई बोर्ड के घोषित परिणाम में विद्यालय के छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया। अधिकांश विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से 95 प्रतिशत तक अंक प्राप्त किए।

विद्यालय के टॉप छात्रों में अभिनव पटेल ने 94.2 प्रतिशत अंक हासिल किए। माही जायसवाल ने 93.8 प्रतिशत, शिक्षा ने 91.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके अलावा महक ठाकुर ने 90.6 प्रतिशत और पीयूष वर्मा ने 90.2 प्रतिशत अंक हासिल किए। अन्य कई छात्र-छात्राओं ने भी अच्छे अंक प्राप्त किए।

परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें सफल छात्रों और उनके अभिभावकों को बुलाया गया। विद्यालय की ओर से सभी को सम्मानित किया गया। इस दौरान मिठाइयां बांटकर खुशी जताई गई। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य थॉमस मोकटन ने कहा कि छात्रों की सफलता में अभिभावकों का सहयोग महत्वपूर्ण होता है। नियमित मार्गदर्शन और अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

विद्यालय के प्रबंधक अमित वर्मा ने सभी सफल छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के परिणाम से विद्यालय की शैक्षणिक स्थिति मजबूत होती है।

तहसील समाधान दिवस में शिकायतों का अंबार, मौके पर निस्तारण सीमित

सैकड़ों फरियादियों की पहुंच, लेकिन कम मामलों में ही तत्काल राहत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर । अंबेडकर नगर में शनिवार को आयोजित तहसील समाधान दिवस में बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आईं, लेकिन मौके पर निस्तारण का आंकड़ा सीमित रहा। अधिकांश मामलों में शिकायतकर्ताओं को तत्काल राहत नहीं मिल सकी। शेष प्रार्थना पत्रों को विभागों के पास भेजकर औपचारिक कार्रवाई की गई।

तहसील अकबरपुर में सबसे अधिक 115 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से सिर्फ 10 मामलों का ही मौके पर निस्तारण हो सका। बाकी 100 से अधिक मामलों में फरियादियों को तत्काल समाधान नहीं मिला।

तहसील भीटी में 47 शिकायतें आईं, लेकिन केवल 6 का ही

निस्तारण किया गया। टांडा में 30 में से 2 मामलों का समाधान हुआ। आलापुर में 66 शिकायतों में से 8 और जलालपुर में 105 में से केवल 6 शिकायतों का ही मौके पर निपटारा हो पाया। आंकड़ों पर नजर डालें तो कुल शिकायतों की तुलना में मौके पर निस्तारण का प्रतिशत काफी कम रहा। ज्यादातर मामलों में लोगों को सिर्फ आश्वासन मिला और उनकी शिकायतें आगे भेज दी गईं। इससे समाधान दिवस की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं।

समाधान दिवस का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना है, लेकिन बड़ी संख्या में आए मामलों के बावजूद मौके पर सीमित कार्रवाई ही हो सकी। कई फरियादियों को विभागीय प्रक्रिया पूरी होने तक इंतजार करना पड़ेगा।

प्रशासन की ओर से संबंधित विभागों को शिकायतों के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, मौके पर कम निस्तारण के कारण व्यवस्था की गति पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

तहसील समाधान दिवस में बढ़ती शिकायतों और कम मौके पर निस्तारण के बीच संतुलन बनाना प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है।

आरडीआरके इंटर कॉलेज में ड्रेस और पुस्तकों का वितरण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर । जाफरगंज स्थित आरडीआरके इंटर कॉलेज में छात्रों को निःशुल्क ड्रेस और पुस्तकें वितरित की गईं। कार्यक्रम के तहत कक्षा 6 के विद्यार्थियों को ड्रेस और कक्षा 9 के छात्रों को पाठ्य पुस्तकें दी गईं। विद्यालय प्रबंधन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे। ड्रेस और पुस्तकों के वितरण से छात्रों में उत्साह देखा गया। कार्यक्रम के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण कुमार तिवारी ने कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षाओं में जाकर शिक्षण व्यवस्था और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के बाद उन्होंने इस पहल को सराहनीय बताया। प्रधानाचार्य दुर्गा प्रसाद सिंह ने कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है। पढ़ाई के साथ जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

व्हाट्सएप ग्रुप में अमर्यादित टिप्पणी पर कार्रवाई, जांच शुरू

बीईओ पर टिप्पणी के मामले में सहायक अध्यापक निलंबित

कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर । शिक्षा विभाग के एक मामले में कार्रवाई की गई है। भीटी ब्लॉक में तैनात एक सहायक अध्यापक को बीईओ के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने पर निलंबित कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गिरंट में कार्यरत सहायक अध्यापक जयकेश सिंह ने भीटी ब्लॉक के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में खंड शिक्षा अधिकारी श्याम प्रताप सिंह के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की थी। मामला सामने आने के बाद

विभागीय स्तर पर जांच शुरू की गई। प्रकरण की जांच जलालपुर की खंड शिक्षा

शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि सरकारी ग्रुपों या सार्वजनिक प्लेटफॉर्म पर अमर्यादित टिप्पणी को गंभीरता से लिया जाएगा और अनुशासनात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

बीएसए ने की निलंबन की कार्रवाई

बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश पटेल ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। विभागीय अनुशासनहीनता के चलते यह कार्रवाई की गई।

अधिकारी मीनाक्षी सिंह को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निलंबन अवधि के दौरान सहायक अध्यापक जयकेश सिंह को कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय कोर्रा से संबद्ध किया गया है।

प्रदर्शन : मीना मंच बैठक में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

रोल प्ले, नाटक और गतिविधियों के जरिए दिया सामाजिक संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर । क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय चौहान की बस्ती, भियांव में मीना मंच की बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में बच्चों ने विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और जागरूकता का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान "खजाने का नक्शा" कॉमिक बुक का पाठ वाचन कराया गया। इसके माध्यम से बच्चों को कहानी के जरिए सीखने का अवसर मिला। "प्रगति के पंख-स्कूल हर दिन आएं" सत्र के अंतर्गत डाज बॉल गतिविधि भी कराई गई, जिसमें बच्चों ने सक्रिय भागीदारी की। "ऐसा हो परिवार हमारा" मॉड्यूल के तहत बच्चों ने चार अलग-अलग दृश्यों पर आधारित रोल प्ले प्रस्तुत किया।

इसमें आपसी सहयोग, पारिवारिक समझ और जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। अभिभावकों ने बच्चों की प्रस्तुति को सराहा। "मेरा भारत महान" विषय पर लघु नाटक प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही दीदी ऐप के वीरांगना पोर्टल से जुड़ी एक फिल्म भी दिखाई गई। फिल्म के माध्यम से बच्चों को सुरक्षा और जागरूकता के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने "बंदर की चालाकी" कॉमिक का निर्माण प्रस्तुत किया। इसमें कहानी के जरिए सतर्कता और बुद्धिमत्ता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के संचालन में राज करन प्रजापति की भूमिका रही। अंत में प्रधानाध्यापक राज बहादुर मिश्रा ने बच्चों को नियमित विद्यालय आने और अनुशासन बनाए रखने की सलाह दी।

घटनाओं की जांच को कांग्रेस के तीन प्रतिनिधिमंडल सक्रिय

पीड़ितों से मुलाकात कर जानी हकीकत, रिपोर्ट जिला अध्यक्ष को सौंपी जाएगी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर । हाल की घटनाओं को लेकर कांग्रेस ने सक्रियता बढ़ाई है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव के निर्देश पर तीन अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल गठित किए गए। इनका उद्देश्य घटनाओं की जांच करना और पीड़ितों से मिलकर वास्तविक स्थिति जानना है। आलापुर क्षेत्र के दुराजपुर गांव में हाल ही में 14 लाख रुपये की छिनैती की घटना हुई थी। इस मामले में जिला महासचिव दीपक मिश्र के नेतृत्व में आठ सदस्यीय टीम गांव पहुंची। प्रतिनिधिमंडल में अजय पासवान, अशोक कुमार सत्यार्थी, राम नरेश पाल, राजीव गुप्ता, कपिल देव बारी, दूधनाथ पाण्डेय और निशा शामिल रहे।

टीम ने पीड़ित रईस अहमद से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और स्थिति का आकलन किया। टांडा क्षेत्र के बसखारी ब्लाक स्थित मुंडेरा गांव में भी प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया। जिला उपाध्यक्ष कुलदीप उपाध्याय के नेतृत्व में टीम ने मो. जमाल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में फिरोज अहमद किछौछवी, वसीम अहमद, शाह आलम, निजामुद्दीन, नियामुल्लाह, साधना नायक, जोखन सिंह, अनुजम और परवेज अहमद शामिल रहे। टीम ने मौके पर जाकर घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। कश्मीरीया प्रकरण में जांच और मांग

टांडा क्षेत्र के कश्मीरीया प्रकरण को लेकर भी कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल सक्रिय रहा। युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव तौसीफ अहमद मोनू के नेतृत्व में टीम ने क्षेत्र का दौरा किया। इसमें सत्यमवदा पासवान, शहबाज गांधी, रामकृपाल धावक, दस्तगीर और मिस्बाहुद्दीन अंसारी शामिल रहे। टीम ने पीड़ित व्यापारियों और स्थानीय लोगों से बातचीत कर घटनाओं की जानकारी ली। साथ ही मामले की मजिस्ट्रेटी जांच की मांग उठाई गई।

श्रमिकों की शिकायतों के लिए कलेक्ट्रेट में शिकायत कक्ष शुरू

अंबेडकर नगर । श्रमिकों, संविदा कर्मियों, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों और निजी प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन ने नई व्यवस्था शुरू की है।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्स्ना बंधु ने जानकारी दी कि कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कक्ष संख्या 19 में शिकायत कक्ष स्थापित किया गया है। यहां सेवा और मजदूरी से जुड़ी समस्याएं दर्ज कराई जा सकती हैं। शिकायत दर्ज कराने के लिए हेल्पलाइन नंबर 05271-244386 जारी किया गया है। इस नंबर पर कर्मचारी अपनी समस्याएं दर्ज करा सकते हैं। प्रशासन के अनुसार दर्ज शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

सभी श्रमिकों और कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे अपनी समस्याएं सीधे निर्धारित हेल्पलाइन या शिकायत कक्ष में दर्ज कराएं, ताकि कार्रवाई समय पर हो सके।

जांच : पुराने मामलों में वसूली तेज करने के निर्देश, अनुपालन आख्या की डेडलाइन तय

ग्राम पंचायत ऑडिट प्रकरणों की समीक्षा बैठक

- वसूली और आरसी जारी करने के निर्देश
- अनुपालन आख्या जमा करने की समय सीमा तय
- लापरवाही पर एफआईआर की चेतावनी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर । विकास भवन सभाकक्ष में शुक्रवार को ग्राम पंचायतों से जुड़े ऑडिट आपत्ति प्रकरणों के निस्तारण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्षों से लंबित वित्तीय मामलों की स्थिति की विस्तार से जांच की गई।

वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक के सभी ऑडिट मामलों की

अनुपालन आख्या जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित की गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि समय सीमा का पालन अनिवार्य होगा।

बैठक में निर्णय लिया गया कि निर्धारित समय तक अनुपालन आख्या उपलब्ध न कराने पर संबंधित ग्राम पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

बैठक में डीपीआरओ उपेंद्र कुमार पांडेय, जिला लेखा परीक्षा अधिकारी विश्वनाथ सिंह, लेखा परीक्षक, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

2010 से 2024 तक के ऑडिट मामलों की समीक्षा

डीडी पंचायत अरविंद जायसवाल और डीडी ऑडिट गणेश प्रखर दीप ने वर्ष 2010-11 से 2023-24 तक के ऑडिट प्रस्तरों की समीक्षा की। इसमें कई पुराने मामलों का निस्तारण संतोषजनक नहीं पाया गया।

"समीक्षा में सामने आया कि कई ग्राम पंचायतों में वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामले लंबित हैं। ऐसे मामलों में सन्निहित धनराशि की वसूली के लिए आरसी जारी करने और वसूली आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए।

सम्पादकीय

महिला हित की अनदेखी, फिर से ठंडे बस्ते में चला गया आरक्षण

अंततः जिसका अंदेशा था, वही हुआ। महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक दो तिहाई बहुमत के अभाव में लोकसभा से पारित नहीं हो सका। इसी के साथ एक तरह से महिला आरक्षण फिर से ठंडे बस्ते में चला गया। कहना कठिन है कि अब वह कब लागू हो सकेगा। यदि पक्ष-विपक्ष के बीच निकट भविष्य में कोई सहमति नहीं बनती तो आसार यही हैं कि महिला आरक्षण 2034 के लोकसभा चुनाव के पहले क्रियान्वित नहीं हो सकता।

महिला आरक्षण में और अधिक देरी दुर्भाग्य की ही बात होगी। ध्यान रहे महिला आरक्षण के सपने को साकार करने में पहले ही बहुत देर हो चुकी है। महिला आरक्षण का विचार करीब तीन दशक पहले राजनीतिक विमर्श का विषय बना था। इसके बाद सभी दल महिला आरक्षण के पक्ष में बातें तो करते रहे, लेकिन वे उसके लिए मन से तैयार नहीं हुए। इसी कारण महिला आरक्षण संबंधी विधेयक कई बार संसद में पेश होने के बावजूद आगे नहीं बढ़ सका।

अंततः 2023 में वह सभी दलों की सहमति से परित तो हुआ, पर इस प्रविधान के साथ कि उसे 2029 के आम चुनाव में लागू किया जाएगा। इसका कारण 2021 में होने वाली जनगणना में विलंब होना रहा। चूंकि नई जनगणना अब जाकर शुरू हुई है और उसके नतीजे आने में समय लगेगा, इसलिए मोदी सरकार ने अगले आम चुनावों से ही महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने और विपक्ष की आपत्तियों को दूर करने के लिए यह फार्मूला रखा कि सभी राज्यों की लोकसभा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि करके महिला आरक्षण को लागू किया जाए।

पता नहीं क्यों विपक्ष को सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि का फार्मूला रास नहीं आया, जबकि इससे किसी भी राज्य और विशेष रूप से दक्षिण के राज्यों के राजनीतिक हितों की कोई क्षति नहीं होने जा रही थी। अच्छा होता कि विपक्ष नई जनगणना और उस पर आधारित परिसीमन के आधार पर महिला आरक्षण लागू करने की अपनी जिद का परित्याग करता, क्योंकि यदि जनसंख्या के आधार पर महिला आरक्षण लागू किया जाता है तो कम आबादी वाले दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के राज्य तो राजनीतिक रूप से नुकसान में ही रहेंगे।

जहां तक विपक्ष की यह मांग है कि महिला आरक्षण में विभिन्न वर्गों के लिए अलग से आरक्षण लागू किया जाए तो इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि 2023 में ऐसी कोई मांग नहीं की गई थी। महिला आरक्षण संबंधी संशोधन विधेयक पारित न होने से विपक्ष अपनी जीत की घोषणा अवश्य करेगा, लेकिन ऐसा करके वह देश की महिलाओं को मायूस ही करेगा। निश्चित रूप से सत्ता पक्ष को झटका लगा है, लेकिन उसे यह प्रचार करने का अवसर हाथ भी लगा है कि विपक्ष ने महिला आरक्षण लागू नहीं होने दिया और इस तरह आधी आबादी की आशाओं पर तुषारापात किया।

फिर ताकती रह गईं महिलाएं

नीति, नीयत, नैरेटिव और राजनीतिक बाजीगरी तथा स्वार्थ का बड़ा संजाल बना कारण

> सरकार की मंशा को पूरी तरह खारिज करना उतना ही जल्दबाज़ी होगी जितना उसे पूर्णतः निष्कलुष मान लेना। सत्ता पक्ष के लिए यह एक ऐसा मुद्दा था जो नैतिक ऊंचाई भी देता है और राजनीतिक पूंजी भी।

दलगत संख्या को देखते हुए जैसी आशंका थी लोकसभा में महिला आरक्षण बिल, जनगणना प्रस्ताव और परिसीमन बिल के साथ-साथ 131 वां संविधान संशोधन विधेयक भी गिर गया भले ही विधेयक के पक्ष में 296 एवं विपक्ष में 238 मत पड़े लेकिन दो तिहाई बहुमत जिसकी आवश्यकता थी वह सट्टा रोड गठबंधन नहीं जुटा पाया।

लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़ा प्रस्ताव गिर जाना केवल एक विधायी असफलता भर नहीं है; यह उस राजनीतिक समय का आईना है जिसमें नीयत, रणनीति, प्रतीक और सत्ता-संतुलन—सब एक साथ उलझे हुए दिखाई देते हैं। इस पूरे घटनाक्रम को किसी एक दल की हार या दूसरे की जीत के चश्मे से देखना आसान है, लेकिन इससे उस गहरी परत तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है जहां लोकतंत्र की वास्तविक गतिशीलता काम करती है।

महिला आरक्षण का विचार नया नहीं है। दशकों से यह मांग उठती रही है कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़े। इस दृष्टि से सरकार का विधेयक लाना एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। लेकिन प्रश्न केवल 'क्या' का नहीं, 'कब' और 'कैसे' का भी होता है। जब इस विधेयक को परिसीमन से जोड़ दिया गया—और वह भी भविष्य की अनिश्चित प्रक्रिया से—तो स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा हुआ कि क्या यह तत्काल प्रतिनिधित्व देने का प्रयास है या एक दूरस्थ वादे का राजनीतिक निवेश।

महिला मतदाता अब निर्णायक शक्ति बन चुकी हैं; ऐसे में यह विधेयक एक दीर्घकालिक राजनीतिक संदेश भी था। परंतु जब इसे तत्काल लागू करने के बजाय परिसीमन और जनगणना जैसी प्रक्रियाओं से जोड़ा गया, तो विपक्ष को यह कहने का अवसर मिल गया कि यह 'वादा अधिक, इरादा कम' की श्रेणी में आता है।

विपक्ष की आलोचना में भी केवल सिद्धांत नहीं, राजनीति भी सक्रिय थी। कई दलों ने यह सवाल उठाया कि क्या इस आरक्षण के भीतर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की महिलाओं के लिए अलग प्रावधान होना चाहिए था। यह मांग सामाजिक न्याय की राजनीति से जुड़ी है, लेकिन इसके भीतर दलगत गणित भी छिपा है। उत्तर भारत की राजनीति में जातीय समीकरण अभी भी निर्णायक हैं, और कोई भी दल इस संतुलन को नजरअंदाज नहीं कर सकता। इसलिए महिला आरक्षण के समर्थन के साथ-साथ उसकी संरचना पर सवाल उठाना विपक्ष के लिए राजनीतिक रूप से अनिवार्य था।

यहां सत्ता और विपक्ष दोनों की राजनीति एक-दूसरे का प्रतिबिंब लगती है। एक ओर सरकार 'नारी शक्ति' के व्यापक नैरेटिव को गढ़ना चाहती है, दूसरी ओर विपक्ष 'समावेशी आरक्षण' की मांग के जरिए अपने सामाजिक आधार को मजबूत करना चाहता है। इस टकराव में विधेयक की मूल भावना कहीं पीछे छूटती नजर आती है।

इस पूरे घटनाक्रम में नरेंद्र मोदी द्वारा 'अंतरात्मा की आवाज' पर वोटिंग की बात और राहुल गांधी द्वारा उन्हें 'जादूगर' कहकर संबोधित करना राजनीतिक विमर्श के बदलते स्वरूप को उजागर करता है। अंतरात्मा की अपील भारतीय राजनीति में नई नहीं है, लेकिन जब यह पार्टी व्हिप और कठोर दलगत अनुशासन के दौर में सामने आती है, तो यह अधिक प्रतीकात्मक लगती है। क्या वास्तव में सांसद अपनी अंतरात्मा के अनुसार वोट दे सकते हैं, या यह केवल एक नैतिक आग्रह भर रह जाता है—यह प्रश्न अनुत्तरित रहता है।

राहुल गांधी का 'जादूगर' वाला तंज भी केवल व्यंग्य नहीं, बल्कि उस राजनीतिक संदेह का संकेत है जो विपक्ष के मन में है—कि सरकार मुद्दों को प्रस्तुत करने में कुशल है, लेकिन उनके क्रियान्वयन को टालती रहती है। यह भाषा भले ही तीखी हो, लेकिन यह उस अविश्वास की अभिव्यक्ति है जो आज की राजनीति का स्थायी भाव बन चुका है। अब प्रश्न यह है कि इस विधेयक के गिरने के बाद क्या होगा। सबसे पहले, महिला आरक्षण का मुद्दा फिर से अनिश्चितता के दायरे में चला गया है। यह संभावना बनी रहेगी कि इसे भविष्य में फिर लाया जाए, लेकिन हर बार इसके साथ नई शर्तें और नए विवाद जुड़ सकते हैं। इससे महिला प्रतिनिधित्व का सवाल एक बार फिर राजनीतिक सौदेबाजी का हिस्सा बन सकता है। एनडीए के लिए यह एक नैरेटिव की चुनौती है। वह इसे विपक्ष के 'अवरोध' के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश करेगा—कि एक ऐतिहासिक कदम को राजनीतिक कारणों से रोक दिया गया। वहीं विपक्ष इसे सरकार की 'अधूरी नीयत' के रूप में पेश करेगा—कि वह गंभीर होती तो इसे बिना शर्त लागू कर सकती थी। इस तरह दोनों पक्ष अपने-अपने समर्थकों के बीच इस मुद्दे को अलग-अलग अर्थों में स्थापित करेंगे।

सत्ता रूढ़ गठबंधन की भाषा में कहें तो यह घटना राजनीतिक 'रेटिंग' को प्रभावित करेगी। एनडीए की छवि एक निर्णायक सरकार की रही है; ऐसे में विधेयक का गिरना उस छवि पर हल्का सा धब्बा डाल सकता है। वहीं विपक्ष, जो अक्सर बिखरा हुआ दिखता है, इस मुद्दे पर एकजुटता का दावा कर सकता है—भले ही वह आंशिक ही क्यों न हो।

परिसीमन का प्रश्न भी अब अधिक जटिल हो जाएगा। यह केवल जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्विन्यास का मामला नहीं है, बल्कि इसके साथ क्षेत्रीय असंतुलन और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के सवाल भी जुड़े हैं। दक्षिण और उत्तर भारत के बीच पहले से मौजूद आशंकाएं इस बहस को और संवेदनशील बना सकती हैं। आखिर में, यह पूरा प्रकरण भारतीय लोकतंत्र की उस विडंबना को सामने लाता है जहां बड़े और आवश्यक सुधार भी राजनीतिक अविश्वास की भेंट चढ़ जाते हैं।

डॉ घनश्याम बादल

व्यक्तित्व अच्छा हों

जन्म लेना, खाना-पीना, जीवन जीना और एक दिन विदा हो जाना आदि - आदि यह तो कोई चाहे न चाहे जीवन का क्रम होना ही होना है। जीवन की सार्थकता तो तब है जब जीवन ऐसा जिया जाए कि जाने के बाद भी लोग भूल न पाएँ। सामाजिकता की दरोदिवार पर नाम अंकित हो जाए। यह विपर्यय हैं कि जब आचार, व्यवहार और दृष्टिकोण विपरीत बनता हैं तो उसका परिणाम भी विपरीत आता हैं । आदमी सचाई को पकड़ नहीं पाता हैं । वह स्वयं भी गलत मार्ग पर जाता हैं और दूसरों को भी गलत बात सिखा देता हैं। उसका परिणाम भी अच्छा नहीं होता हैं । वहां स्वार्थ की चेतना बहुत प्रबल हो जाती हैं । अपना स्वार्थ, प्रयोजन जहां सिद्ध होता हैं, वहां कुछ भी कर लेगा । जहां प्रयोजन सिद्ध नहीं होता हैं, वहां समस्या पैदा करने लग जाएगा आसमान की ऊंचाइयां छूने वाला व्यक्तित्व तभी धराशायी होता है जब वह क्रिया की प्रतिक्रिया सार्वजनिक देना प्रारम्भ कर देता है। वह छोटी सी बात को हवा देना शुरू कर देता है । शालीन व्यक्तित्व आसमान छुए अपने कुशल नेतृत्व , सर्वांगीण विकास, सरलता- विनम्रता और कार्य करने की बेजोड़ शैली से आदि- आदि से वह एक मजबूत दस्तक के साथ हर किसी के भविष्य में प्रेरणास्त्रोत रहता हैं। मान-अपमान जीवन की कसौटी है, परीक्षा है। हमको इसे अपने विनम्र व्यवहार से शालीन सकारात्मक प्रतिभा से अपनी सोच के स्तर से ऊपर उठाकर प्रतिक्रियाओं से मुक्त होकर प्रसन्नता के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। हमारी सोच ही हमको बड़ा बनाती है । हम अपने जीवन में यदि गुलाब की तरह खिलना चाहते है तो कांटों के साथ तालमेल की कला सीखनी होगी । वह जिस व्यक्ति का मन पर नियंत्रण होता हैं, वह कभी भी गलत काम नहीं करता हैं । मैं केवल अतीत की बात ही न करुं । वर्तमान की भी बात करुं । लाल बहादुर शास्त्री जी प्रधानमंत्री थे । वह अपनी पत्नी को लेकर बजार में गए । वहां साड़ियों की दुकान आ गईं । साड़ियों के प्रति महिला का कुछ ज्यादा ही अनुराग रहता हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

विश्व बैंक के शहरी...

डॉ. शैलेश शुक्ला

हाईवे और एक्सप्रेस वे के दोनों तरफ शहर बसाना हो सकता है फायदेमंद

भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में तेज़ी से बढ़ते शहरीकरण ने पारंपरिक शहर नियोजन की सीमाओं को उजागर कर दिया है। महानगरों में जनसंख्या का अत्यधिक दबाव, यातायात जाम, प्रदूषण, आवास संकट और अव्यवस्थित विस्तार (अर्बन स्प्रॉल) जैसी समस्याएँ अब गंभीर रूप ले चुकी हैं। ऐसे समय में यह विचार कि राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस वे के दोनों ओर नियोजित ढंग से नए शहर और उपनगर बसाए जाएँ, केवल एक बुनियादी ढांचा आधारित कल्पना नहीं, बल्कि एक व्यावहारिक शहरी विकास रणनीति के रूप में उभर रहा है। यदि इस मॉडल को वैज्ञानिक शहरी नियोजन, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक आवश्यकताओं के साथ जोड़ा जाए, तो यह भविष्य के संतुलित और विकेंद्रीकृत शहरी विकास का आधार बन सकता है।

आर्थिक कॉरिडोर आधारित विकास की अवधारणा पिछले दो दशकों में वैश्विक स्तर पर विशेष रूप से चर्चा में रही है। विभिन्न अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि जब परिवहन अवसंरचना—जैसे एक्सप्रेस वे, रेलवे और लॉजिस्टिक हब—के साथ–साथ औद्योगिक, आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों का समेकित विकास किया जाता है, तो इससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को व्यापक गति मिलती है। आर्थिक कॉरिडोर मॉडल का उद्देश्य केवल यातायात को तेज करना नहीं, बल्कि

उसके साथ–साथ नए औद्योगिक शहर, लॉजिस्टिक पार्क, वेयरहाउसिंग ज़ोन और आवासीय कॉलोनियों का निर्माण करना होता है, जिससे रोजगार और निवेश दोनों को बढ़ावा मिलता है।

भारत में दिल्ली–मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर, अमृतसर–कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर और विभिन्न राज्य स्तरीय एक्सप्रेस वे परियोजनाएँ इसी सोच का परिणाम हैं। इन परियोजनाओं के साथ नियोजित औद्योगिक टाउनशिप और स्मार्ट सिटी विकसित करने की योजना बनाई गई है ताकि हाईवे केवल परिवहन मार्ग न रहकर आर्थिक गतिविधियों की धुरी बन सकें। दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे के आसपास नए औद्योगिक क्षेत्र, लॉजिस्टिक पार्क और आवासीय परियोजनाओं की योजनाएँ इसी दिशा में उठाया गया कदम हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकारें अब सड़क अवसंरचना को केवल यात्रा सुविधा नहीं, बल्कि समग्र क्षेत्रीय विकास के साधन के रूप में देख रही हैं।

हाईवे और एक्सप्रेस वे के किनारे शहर बसाने का सबसे बड़ा लाभ कनेक्टिविटी के रूप में सामने आता है। पारंपरिक शहरों में अक्सर औद्योगिक क्षेत्र, आवासीय कॉलोनियाँ और व्यापारिक केंद्र एक ही भूभाग में अनियोजित ढंग से विकसित हो जाते हैं, जिससे यातायात का अत्यधिक दबाव और अव्यवस्था पैदा होती है। इसके विपरीत, यदि नए शहर पहले से मौजूद उच्च गुणवत्ता वाले मार्गों के किनारे बसाए जाएँ, तो वहाँ आने–जाने की सुविधा प्रारंभ से ही बेहतर रहती है। इससे न केवल यात्रा समय कम होता है, बल्कि व्यापार, पर्यटन और सेवाओं की आवाजाही भी तेज होती है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाती है।

विश्व बैंक के शहरी विकास से जुड़े अध्ययनों में यह बताया गया है कि परिवहन अवसंरचना और भूमि उपयोग (लैंड यूज़) की संयुक्त योजना से शहर अधिक उत्पादक और रहने योग्य बनते हैं। ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट जैसे मॉडल यह सिद्ध करते हैं कि जब रोजगार, आवास और सेवाओं को परिवहन नेटवर्क के आसपास केंद्रित किया जाता है, तो इससे आर्थिक उत्पादकता बढ़ती है, आवागमन की दूरी घटती है और शहरी जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है। हाईवे आधारित शहरों का एक महत्वपूर्ण लाभ यह भी है कि वे पारंपरिक महानगरों पर जनसंख्या का दबाव कम कर सकते हैं। आज दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे शहर अत्यधिक भीड़, प्रदूषण और संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। यदि इनके आसपास या इन्हें जोड़ने वाले एक्सप्रेस वे के किनारे नियोजित उपग्रह शहर विकसित किए जाएँ, तो लोग रोजगार और बेहतर जीवन गुणवत्ता की तलाश में इन नए शहरों की ओर आकर्षित हो सकते हैं। इससे मूल महानगरों का भार कम होगा और क्षेत्रीय संतुलन स्थापित होगा।

रियल एस्टेट और भूमि उपयोग के संदर्भ में भी एक्सप्रेस वे कॉरिडोर आधारित शहरों का प्रभाव उल्लेखनीय होता है।

ईश्वर के ...

रामस्वरूप रावतसरे

श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर आस्था संस्कृति और सेवा का अद्भुत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अप्रैल 2026 को कर्नाटक के मांड्या जिले स्थित आदिचुंचनगिरि में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर का उद्घाटन किया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक ऐसी परंपरा को सम्मान देने का अवसर था, जिसने वर्षों तक समाज सेवा, शिक्षा और आध्यात्मिक मार्गदर्शन का कार्य किया है। उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और संत परंपरा को भारत की सांस्कृतिक शक्ति बताया। श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर, श्री आदिचुंचनगिरी महासंस्थान मठ के 71वें पादरी श्री श्री श्री डॉ. बालगंगाधरनाथ महास्वामीजी को समर्पित एक स्मारक है।

श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर लगभग 80 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुआ है और इसे बनने में करीब दस वर्षों का समय लगा। यह मंदिर पारंपरिक द्रविड़ वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसकी भव्यता और बारीक नक्काशी इसे खास बनाती है। मंदिर की संरचना में होयसला, चालुक्य, चोल और गंगा काल की स्थापत्य शैलियों का सुंदर समावेश किया गया है, जो भारतीय शिल्पकला की विविधता और समृद्धि को दर्शाता है। ऊँचे गोपुरम, विशाल प्रांगण और पत्थरों पर की गई जटिल नक्काशी इसे दक्षिण भारत के प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों में शामिल करती है। यह मंदिर केवल एक पूजा स्थल नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उदाहरण है, जहाँ कला और आध्यात्मिकता का अद्भुत मेल देखने को मिलता है।

भैरवैक्य का अर्थ और शैव परंपरा से जुड़ाव-'भैरवैक्य' शब्द का अर्थ है भगवान भैरव में लीन होना या उनके साथ एकत्व प्राप्त करना। भगवान भैरव को भगवान शिव का गण और उनके उग्र स्वरूप का प्रतीक माना जाता है। यह मंदिर उसी प्राचीन शैव परंपरा से जुड़ा हुआ है, जिसमें साधना, तपस्या और आत्मिक एकाग्रता के माध्यम से ईश्वर के साथ एकत्व प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। आदिचुंचनगिरि मठ को एक सिद्ध पीठ के रूप में जाना जाता है, जहाँ वर्षों से साधकों ने तप कर आध्यात्मिक सिद्धियाँ प्राप्त की हैं। इस स्थान की पवित्रता और आध्यात्मिक ऊर्जा के कारण देशभर से श्रद्धालु यहाँ दर्शन और साधना के लिए आते हैं। यह मंदिर आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ के 71वें पीठाधिपति बालगंगाधरनाथ स्वामीजी की स्मृति में बनाया गया है। उनका जन्म 18 जनवरी 1945 को कर्नाटक में गंगाधरैया के रूप में हुआ था और वे कन्नड़ वोक्कालिगा समुदाय से संबंध रखते थे, जो एक कृषि प्रधान समाज माना जाता है। बचपन से ही उनका झुकाव आध्यात्मिकता और अनुशासन की ओर था। कम उम्र में ही वे मठ से जुड़ गए और नाथ परंपरा में दीक्षित होकर गुरु-शिष्य परंपरा के तहत शिक्षा और साधना प्राप्त की।

जरा हटके

इस तरह लोकतंत्र...

कमलेश पांडेय

आख़िर राजनीति को समाजनीति में बदलने की जरूरत क्यों है?

राजनीति को "समाजनीति" में बदलने की जरूरत इसलिए है क्योंकि आज राजनीति अक्सर सत्ता, वोटबैंक और व्यक्तिगत स्वार्थ के खेल में तब्दील हो गई है, जबकि असली बदलाव तभी संभव है जब समाज के भीतर ही नैतिकता, सहिष्णुता और सामूहिक जिम्मेदारी की राजनीति (समाजनीति) बन जाए। इसलिए आइए सबसे पहले राजनीति और समाजनीति में मौलिक अंतर को समझते हैं और फिर उसके अनुरूप व्यवस्था को बदलने की मुहिम छेड़ते हैं।

देखा जाए तो ₹राजनीति₹ सामान्यतः सत्ता, चुनाव, नीतियाँ और धुरंधर नेतृत्व पर केंद्रित होती है, जबकि ₹समाजनीति₹ मानवीय मूल्यों, सामाजिक सुधार और नागरिकस्तरीय कार्यवाही से जुड़ती है। समाजनीति का लक्ष्य नेताकेंद्रित शासन नहीं, बल्कि समाज के भीतर जागरूकता, सहभागिता और सामाजिक न्याय की संस्थापना होती है।

यही वजह है कि राजनीति के विकृत रूप से उबरने की जरूरत आज सभी बुद्धिजीवी समझते हैं। चूंकि आज राजनीति अक्सर जाति, धर्म, भाषा और पहचान के आधार पर विभाजन को बढ़ाती है, जिससे समाज की एकता और विश्वास कमजोर होते हैं। मसलन, सत्ता के लिए होने वाली राजनीति में भ्रष्टाचार, नैतिक पतन और अल्पकालिक वादों की जगह बढ़ती है, जबकि समाज की असली चुनौतियाँ यथा- एक समान शिक्षा, स्वास्थ्य,

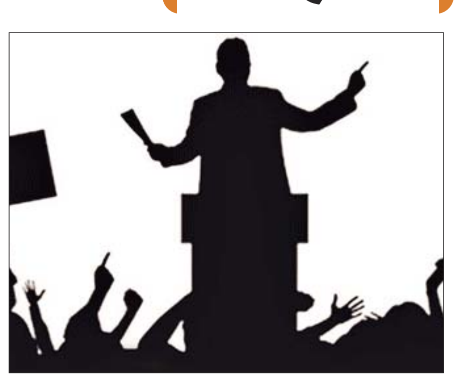

न्याय, पर्यावरण आदि लंबे अंतराल में असमान बनी रहती हैं। इसलिए सबकुछ संतुलित रखने हेतु एक व्यापक समाजनीति जरूरी है और उसे संवैधानिक स्वीकृति मिल जाए तो राह और आसान हो जाती है। आमतौर पर जब समाज खुद अपने स्तर पर नैतिक पुनर्जागरण, रचनात्मक कार्यक्रम और स्वयंसेवी प्रयास शुरू करता है, तो राजनीति पर निर्भरता कम होती है और नीतियाँ भी जनआधारित बनती हैं। चूंकि समाजनीति का अर्थ है कि नेता जनता को ऊपर से "शासित" करें, बल्कि जनता स्वयं अपने समाज के निर्माण की जिम्मेदारी ले—इसके लिए शिक्षा, सामाजिक आंदोलन, स्थानीय संगठनों की भूमिका अहम हो जाती है। लिहाजा, बदलते वक्त की अहम मांग है कि राजनीति और समाजनीति के बीच संतुलित दृष्टि स्थापित की जाए। यूँ तो राजनीति को बिल्कुल कमजोर करना भी सही नहीं होगा; बल्कि जरूरत यह है कि राजनीति को समाजनीति के फ्रेम में रखा जाए—अर्थात सत्ता में बैठे लोग समाज की नैतिक और सामाजिक चेतना को आधार बनाकर नीतियाँ बनाएँ।

इस तरह लोकतंत्र की वास्तविक सार्थकता यह होगी कि मतदाता न सिर्फ वोट दें, बल्कि समाज की "समाजनीति" को जागरूक सिविल सोसाइटी के रूप में प्रतिष्ठित करें, ताकि राजनीति उसकी सेवा में झुके, उस पर हावी न हो।

आधुनिक भारत में धर्मनिरपेक्षता के प्रतीक मोहनदास करमचंद गांधी, दलित चेतना के वाहक डॉ भीमराव आंबेडकर और सामाजिक न्याय के सूत्रधार राममनोहर लोहिया के सामाजिक आंदोलन स्पष्ट करते हैं कि राजनीति यानी शक्ति–सरकार–चुनाव, के साथसाथ "समाजनीति" अर्थात समाज के मानस, जातिप्रथा, आर्थिकसांस्कृतिक ढांचे में बदलाव, भी ज़रूरी है, वरना बाहरी लोकतंत्र के नाम पर भीतरी जातिवाद और आर्थिक वर्गविषमता का दबाव बरकरार रहता है।

इस नजरिए से गांधी की दृष्टि को समझते हैं, जिन्होंने राजनीति में नैतिकसामाजिक आंदोलन का सूत्रपात किया। इसके तहत गांधी ने स्वतंत्रतासंग्राम को सिर्फ राजनीतिक संघर्ष नहीं, बल्कि खादी, ग्रामोद्योग, अस्पृश्यता निवारण, मद्यत्याग जैसे "रचनात्मक कार्यों" के ज़रिए एक सामाजिक चरित्रनिर्माण की प्रक्रिया बनाया। इसका अर्थ हैः राजनीति बिना समाजनीति यानी सामाजिक विचारधारा, नैतिक अनुशासन, जातिगत बाधाओं को घटाने की चेष्टा, के औपचारिक और रिक्त रह जाती है– बस शासन बदलता है, समाज नहीं। वहीं, आंबेडकर की दृष्टि में कानूनराजनीति और जातिसमाज को निर्देशित करते हैं। इसलिए आंबेडकर ने दलितों के लिए आंदोलन, रिजर्वेशन, अस्पृश्यता उन्मूलन और संविधान के माध्यम से राजनीतिककानूनी एजेंडा खड़ा किया, ताकि राजनीतिक दरवाज़े खुलें और संस्थागत विवेकता घर करे। पर उनका जोर यह भी था कि बिना जातिव्यवस्था के मूल संरचनात्मक खंडन के कानूनी अधिकार "कागज़ी" रह जाएंगे – इसलिए आंबेडकरवादी विचार राजनीति के साथ समाजनीति यानी जातिसंस्कार, शिक्षासांस्कृतिक बदलाव, की दोहरी ज़रूरत पर बल देता है।

वहीं, लोहिया की दृष्टि में समाजवाद, जाति तोड़ो और 'समान्तर' समाजनीति का प्रमुख औजार बना। क्योंकि लोहिया ने "जाति तोड़ो अभियान", दलितों का मंदिर प्रवेश, पिछड़ों के लिए विशेष अवसर और आर्थिक वर्गसंरचना को निशाना बनाकर गांधी और आंबेडकर की परियोजनाओं में समाजवादी व व्यावहारिक राजनीतिकसामाजिक संश्लेषण किया, जो एक हद तक सही भी था। उनका तर्क स्पष्ट था कि राजनीति अर्थात सरकार, चुनाव, राजनीतिक एजेंडा, तभी अर्थपूर्ण है जब वह समाजनीति यानी जातिविषमता, मानसिक श्रम–शारीरिक श्रम का भेद, पूँजीवादी विशेषाधिकारों का उन्मूलन, को बदलने के अभियान में खप जाए; वरना "समानता" नारा बनकर रह जाती है। इस प्रकार से राजनीति और समाजनीति की आवश्यकता के अनुरूप जहां गांधी के मुताबिक राजनीति में नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण घुलना ज़रूरी है, नहीं तो स्वतंत्रता सिर्फ ताज़ा शासक–परिवर्तन है। वहीं आंबेडकर के अनुसार राजनीतिककानूनी अधिकार और संस्थागत सुरक्षा बिना जातिमुक्त समाजनीति के अधूरी हैं।

वाराणसी के नहिया गांव में पत्थरबाजी में एएसपी-दरोगा घायल, 60 पर एफआईआर, गांव में सन्नाटा

भगवा हटाकर नीला झंडा लगाने पर बढ़ा बवाल

विवाद

- प्रदर्शन कर रहे लोगों जमकर हंगामा और नारेबाजी भी की।
- नेहिया गांव में पथराव में एक दरोगा भी पत्थर लगने से चोटिल हुए।

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के नेहिया गांव में भगवा और नीले झंडे लगाने के विवाद में जमकर बवाल हुआ। शुक्रवार को बवाल ने हिंसक रूप ले लिया। पत्थरबाजी में ACP विदुष सक्सेना, इंस्पेक्टर, दरोगा समेत 7 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने लाठी पटककर उपद्रवियों को खदेड़ा। गोसाईपुर चौकी इंचार्ज विपिन पांडेय की तहरीर पर 11 नामजद और 50 अज्ञात के खिलाफ FIR दर्ज कराई है।

"गोसाईगंज चौकी प्रभारी विपिन पांडेय ने 11 नामजद समेत 50 अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई। उन्होंने बताया- नेहिया गांव के मुख्य गेट पर रामनवमी के दिन भगवा झंडा लगाया गया था। अंबेडकर जयंती पर भीम आर्मी के लोगों ने भगवा झंडा हटाकर नीला झंडा लगा दिया था। पुलिस ने पहुंचकर सभी झंडे हटवा दिए थे। शुक्रवार को फिर भगवा झंडे लगे थे जिसे लेकर भीम आर्मी के लोग बवाल करने लगे।

15 अप्रैल को तोड़ा अंबेडकर का झंडा और पोस्टर फाड़ा

आरोप है कि 15 अप्रैल को इसकी सूचना मिलने के बाद शाम या रात के समय हिंदू धर्म संगठन के लोगों ने उस झंडे को तोड़कर हटा दिया। अगले दिन यानी 16 अप्रैल को इस मामले की जानकारी मिलने के बाद काफी संख्या में दलित समुदाय के लोग पहुंच गए। उसके बाद लोग नारेबाजी करने लगे। दलित समुदाय के लोगों ने कहा- जब गेट पर एक विशेष झंडा लग सकता है, तो संत रविदास और बाबा साहेब का झंडा क्यों नहीं? वहीं दूसरा पक्ष इसे मंदिर का प्रवेश द्वार बताकर अपनी पुरानी परंपरा पर अड़ा रहा। इसी बात को लेकर तनाव हुआ और गुरुवार यानी 16 अप्रैल को डेढ़ घंटे हाईवे जाम रहा।

बाहरी लोगों ने सुलगाई नफरत की आग

गांव के लोगों का कहना है कि यह झगड़ा असल में गांव वालों का था ही नहीं। इसे बाहरी लोगों और सोशल मीडिया की पोस्ट ने बड़ा बना दिया। हिंदू संगठनों और कुछ पार्टी विशेष से जुड़े लोगों ने इंटरनेट पर वीडियो डालकर भीड़ जुटाना शुरू कर दिया। इसी के चलते शुक्रवार को काफी संख्या में लोग वहां पहुंच गए। पुलिस को लगा था कि बातचीत से मामला सुलझ जाएगा लेकिन शुक्रवार यानी 17 अप्रैल को दोपहर में भीड़ बेकाबू हो गई। जब पुलिस ने लोगों को वापस जाने को कहा तो अचानक पत्थरबाजी शुरू हो गई। पत्थरबाजी में एसीपी विदुष सक्सेना, चोलापुर इंस्पेक्टर सधुवन राम गौतम, चौकी इंचार्ज विपिन पांडेय, हेड कॉन्स्टेबल जगजीवन राम, कॉन्स्टेबल आदित्य कुमार, ड्राइवर हेड कॉन्स्टेबल मो. शकील अहमद, पीएसी के हेड कॉन्स्टेबल हरेंद्र राय घायल हो गए।

पथराव की सूचना के बाद पीए बुलाई भारी पुलिस फोर्स।

गांव के गेट पर झंडा लगाने के बाद शुरू हुआ विवाद

वाराणसी मुख्यालय से 30km दूर बाबतपुर-चौबेपुर मार्ग पर नहिया गांव में प्रवेश करने के लिए गेट बनाया गया है। प्रवेश द्वार पर 'बाबा बटुक भैरव धाम' लिखा हुआ है। वहीं गांव में हाईवे से करीब आधा किलोमीटर दूरी पर संत रविदास मंदिर है। जबकि हाईवे से करीब करीब 800 मीटर दूरी पर बाबा बटुक भैरव का मंदिर है। हिंदू संगठनों का दावा है कि गांव के प्रवेश गेट पर जब से निर्माण हुआ है तब से रामनवमी पर भगवा झंडा लगाया जाता रहा है।

वाहनों का प्रतिदिन आवागमन, आश्चर्य ! सड़क सुरक्षा पर सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । सड़क सुरक्षा एक ऐसा विषय या समस्या जिस पर घ्यान देना अति आवश्यक , जिस पर अक्सर सार्वजनिक चर्चा होती रहती हैं । चर्चा इसलियें कि जो वाहन चालकों और पैदल यात्रियों से लेकर साइकिल चालकों और यात्रियों तक, सभी सड़क उपयोग-कर्ताओं को प्रभावित करता है। सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में सभी को जागरूक रहना चाहियें। आवश्यक रहें , एक स्थान से दूसरें स्थान के लियें हम सभी लियें सुगम आवागमन रास्ता तैयार हो । सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन करने का मामला नहीं है; यह एक साझा ज़िम्मेदारी है जिसके लिए सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच सहयोग, सतर्कता और सम्मान की आवश्यकता होती है। परन्तु बिडम्बना देंखें कि जनपद के नगर पालिका क्षेत्र के छाया चौराहे दिशा दशा देख सकतें कि सड़क की

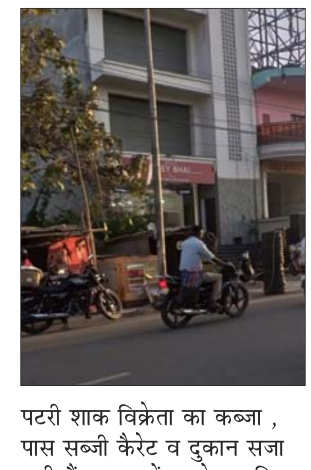

पटरी शाक विक्रेता का कब्जा , पास सब्जी कैरेट व दुकान सजा रखी हैं । पास में पुराने प्राकृतिक रबर का ढ़ेर लगा हैं । हैरत की बात ! वाहनों का प्रतिदिन आवागमन रहता है । ऐसी अनदेखी ! जिम्मेदारों पर उठे सवाल ! यदि समय रहते इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया गया तो किसी बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता है। वहीं सड़को पे लोगों को पैदल निकलना भी दुर्लभ प्रतीत हो रहा है ।

फास्ट न्यूज

परशुराम चौक पर माहौल बिगाड़ने वाले 4 आरोपी अरेस्ट

आगरा। आगरा में अंबेडकर जयंती पर आवास विकास कॉलोनी में परशुराम चौक पर चढ़कर नीला झंडा फहराने वाले चार युवकों को गिरफ्तार किया गया है। घटना के बाद अब पुलिस ने वीडियो से पहचान कर चारों आरोपियों की पहचान की है। डॉ. बीआर अंबेडकर की जयंती पर मंगलवार को आगरा में जगह-जगह पर रैलियां निकाली जा रही है।

अयोध्या एयरपोर्ट पर एटीएस और सी आई एस एफ की मॉकड्रिल

अयोध्या। अयोध्या के महार्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर सुरक्षा व्यवस्था को परखने के लिए मॉक ड्रिल किया गया। यहां पर डमी आतंकवादियों को पकड़ने के लिए सीन रिक्रिएट किया गया। CISF को सूचना मिली कि एयरपोर्ट के सिटी साइड इलाके में आतंकवादी घुस आए हैं। जिसके बाद डिप्टी कमांडेंट रवींद्र सिंह क्विक रिएक्शन टीम (QRT) के साथ मौके पर पहुंच गए। इलाके को चारों तरफ से घेर ले लिया। फौरन ATS को आतंकवादियों के बारे में सूचना दी। उसके बाद बम स्कॉयड टीम को भी बुला लिया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से किसान की मौत

औरैया। औरैया में दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर एक किसान की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना आशा पूर्वा गांव के पास हुई, जब किसान रेलवे लाइन पार कर अपने खेत पर फसल काटने जा रहा था। पुलिस ने सूचना मिलने पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के आशा का पूर्वा गांव निवासी 50 वर्षीय वीरेंद्र सिंह के रूप में हुई है।

मुस्कान-साहिल की पेशी दूसरी बार टली

मेरठ में वकीलों ने स्ट्राइक के चलते हंगामा किया, अब 21 अप्रैल को सुनवाई की डेट मिली

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ के चर्चित ब्लूड्रम सौरभ हत्याकांड में आरोपित सौरभ की पत्नी मुस्कान, प्रेमी साहिल शनिवार को भी कोर्ट में अपना पक्ष नहीं रख सके हैं। उनकी सुनवाई फिलहाल टल गई है। सुनवाई की अगली तारीख 21 अप्रैल लगाई गई है। बताया जा रहा है कि शनिवार को मेरठ कचहरी में वकीलों की हड़ताल रहती है। हड़ताल के दिन कामकाज नहीं होता। ऐसे में मुस्कान-साहिल को सुनवाई के लिए कोर्ट में बुलाया जाना था। इसका वकीलों ने विरोध कर दिया। कहा कि काम नहीं होगा, फिलहाल सुनवाई टाल दी गई है। ब्लू ड्रम चर्चित केस में अब 313 की कार्रवाई शुरू हो रही है। सुनवाई की पहली तारीख 15 अप्रैल थी लेकिन विशेष कारणों से उस तारीख पर सुनवाई नहीं हुई थी। इसलिए अगली तारीख 18

अप्रैल लगी थी। इसमें दोनों अपना पक्ष रखना था। गौरतलब है कि इस कार्रवाई के लिए पहली तारीख 15 अप्रैल तय की गई थी, लेकिन कुछ विशेष कारणों से उस दिन भी सुनवाई नहीं हो सकी। इसके बाद अगली तारीख 18 अप्रैल रखी गई थी, जिस दिन दोनों आरोपियों को अपना पक्ष रखना था। हालांकि वकीलों की हड़ताल के कारण यह तारीख भी टल गई। लगातार सुनवाई टलने से केस की प्रक्रिया में देरी हो रही है, जिससे पीड़ित पक्ष और आम लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। अब सबकी नजर 21 अप्रैल पर टिकी है, जब उम्मीद की जा रही है कि आरोपियों का बयान दर्ज किया जाएगा और केस आगे बढ़ेगा।

खुद पर लगे आरोपों पर जवाब देंगे मुस्कान-साहिल

जिन 22 गवाहों ने अब तक अदालत में गवाही दी है उसमें मुस्कान-साहिल पर तमाम आरोप लगे हैं। जो बताते हैं कि सौरभ की हत्या मुस्कान-साहिल ने मिलकर की थी। 22 गवाहों की गवाहियों के आधार पर दोनों से लगभग 15-20 सवाल पूछे जाने है। जिसका इन्हें जबाव देना पड़ेगा। दोनों को सभी आरोपों को गलत साबित करना होगा। अगर मुस्कान-साहिल अपने ऊपर लगे आरोपों को गलत साबित नहीं कर पाए तो उनको सजा होना तय है।

ऑनलाइन होगी पेशी

313 की प्रक्रिया में आरोपित को खुद कोर्ट के सामने पेश होकर अपना पक्ष रखना पड़ता है। लेकिन मुस्कान-साहिल की सुरक्षा को देखते हुए उनको ऑनलाइन जोड़कर वीसी के जरिए सुनवाई कराना तय हुआ है। दोनों पर पिछली बार वकीलों ने कचहरी में हमला कर दिया था। डिलीवरी के दौरान भी मेडिकल अस्पताल में मुस्कान के पीछे भीड़ पड़ गई थी। दोनों की सुरक्षा के मद्द्नेजर उन्हें जेल से ऑनलाइन जोड़कर सुनवाई करना तय हुआ था।

22 गवाहों की गवाही पूरी

मर्चेंट नेवी ऑफिसर सौरभ की हत्या मामले में 22 गवाहों की गवाहियां अदालत में हो चुकी है। इन गवाहियों के बाद एविडेंस क्लोज हो चुके हैं। अब 313 की प्रक्रिया शुरू हो रही है।

अचानक गायब होने से गांव में दहशत, पुलिस को मिली बड़ी चुनौती

खेत में मिले महिला के कपड़े और कंगन

तमसा संकेत, एजेंसी

पवांसा (संभल)। बहजोई थाना क्षेत्र के कस्बा पवांसा में 41 वर्षीय महिला लापता हो गई। खेत से महिला के कपड़े, जूते और अन्य सामान मिलने के बाद स्वजन ने अनहोनी की आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस और फारेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है और महिला की तलाश शुरू कर दी है।

क्षेत्र में गांव पवांसा निवासी सोमपाल ईंट भट्ठे पर मजदूरी करते हैं और कुछ जमीन बंटाई पर लेकर खेती करते हैं। शुक्रवार को आंधी के कारण खेत में रखा भूसा नहीं लाया जा सका था। शनिवार की सुबह करीब चार बजे सोमपाल काम पर चले गए,

जिसके बाद करीब पांच बजे उनकी 41 वर्षीय पत्नी रीना भूसा लेने खेत पर चली गई। करीब एक घंटे तक रीना के घर वापस न लौटने पर बेटी खुशी अपने छोटे भाई यश के साथ खेत पर पहुंची। वहां मां को न पाकर दोनों ने आसपास काफी तलाश की और आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इस दौरान भूसे के पास महिला का एक जूता पड़ा मिला। आसपास खोजबीन करने पर पास के मक्का के खेत में लगे कंटीले तारों में दुपट्टा फंसा मिला।

नवंबर माह में भी हो गई थी लापता

रीना पिछले वर्ष भी नवंबर माह में अपने मायके इलाहाबाद से आते समय चंदौसी रेलवे स्टेशन से लापता हो गई थी। स्वजन ने चंदौसी जीआरपी थाने में महिला के गुम होने की सूचना दी थी। वहीं जीआरपी पुलिस ने एक महीने बाद महिला को जनपद रामपुर के बगहा गांव से मुस्लिम युवक के घर से बरामद किया था। पुलिस महिला को उस एंगल से भी तलाश करने में जुटी हुई है।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर रेलवे का फर्जी अधिकारी अरेस्ट

शिवगंगा एक्सप्रेस में यात्रियों को धमका रहा था, फेक आईकार्ड और पास मिले

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर रेलवे विजिलेंस टीम ने शुक्रवार रात फर्जी रेलवे अधिकारी को पकड़ा। आरोपी संजय कुमार शिव गंगा एक्सप्रेस ट्रेन में सफर कर रहा था। वह खुद को रेलवे का अधिकारी बताकर यात्रा कर रहा था। ट्रेन में कई यात्रियों को उसने हटकाया। इसी बीच किसी ने इसकी शिकायत कर दी। सूचना पर विजिलेंस विभाग की टीम अलर्ट हो गई। जानकारी के मुताबिक, जैसे ही शिव गंगा एक्सप्रेस कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर पहुंची। विजिलेंस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से रेलवे के कई फर्जी दस्तावेज बरामद हुए। इनमें नकली आई कार्ड, ड्यूटी पास और सुविधा पास शामिल हैं।

इसके अलावा आरोपी के पास से हजारों रुपए कैश भी मिले हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी इन फर्जी दस्तावेजों के सहारे लोगों को भ्रमित कर रहा था। खुद को रेलवे का अधिकारी बताकर यात्रा कर रहा था। पुलिस के अनुसार, आरोपी लंबे समय से इस तरह की गतिविधियों में शामिल हो सकता है। विजिलेंस टीम अब आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसके साथ और कौन-कौन लोग जुड़े हैं। वह इस फर्जीवाड़े को कब से अंजाम दे रहा था। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। रेलवे अधिकारियों ने कहा है कि ऐसे मामलों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यात्रियों से भी अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत रेलवे या पुलिस को दें।

एमयू लॉ फैकल्टी में छात्रों का प्रदर्शन

प्रॉक्टर टीम पर हाथापाई का आरोप, वॉशरूम का दरवाजा तोड़कर घुसे सुरक्षाकर्मी

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की लॉ फैकल्टी में छात्रों ने शनिवार को परीक्षा परिणाम रोके जाने पर जमकर हंगामा किया। एलएलबी फाइनल ईयर के छात्रों ने कक्षाओं की अनियमितता और मनमाने ढंग से डिटेन (परीक्षा से रोकने) किए जाने के विरोध में फैकल्टी का मुख्य गेट बंद कर प्रदर्शन किया। छात्रों ने फैकल्टी के मुख्य और वॉशरूम वाले गेट को भी बंद कर दिया। इस दौरान प्रॉक्टर और कंट्रोलर टीम वॉशरूम का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने प्रॉक्टोरियल टीम पर धक्का–मुक्की और हाथापाई का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। छात्र अमजद ने बताया कि एएमयू प्रशासन ने अटेंडेंस के कड़े नियम तो बना दिए, लेकिन विभाग में नियमित कक्षाएं नहीं ली गईं।

एएमयू लॉ फैकल्टी में छात्रों और प्रॉक्टोरियल टीम के बीच जमकर नोकझोंक हुई।

AMU के नियमानुसार हर महीने अटेंडेंस लिस्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए, जो इस सत्र में नहीं की गई। इससे छात्रों को यह पता ही नहीं चला कि उनकी किस सब्जेक्ट में अटेंडेंस कम है। छात्रों ने आरोप लगाया कि एलएलबी फाइनल ईयर की परीक्षाएं दिसंबर 2025 में हुई थीं। इसका परिणाम जनवरी में आना चाहिए था। बावजूद इसके परीक्षा परिणाम को दबाकर रखा गया है। शनिवार को परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद छात्रों को कुछ विषयों के परिणाम रोके जाने की जानकारी हुई।

50% छात्र फेल, पक्षपात का आरोप

रिजल्ट जारी होते ही छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। आरोप लगाया कि लगभग 50 प्रतिशत छात्रों को एक या एक से अधिक विषयों में डिटेन कर दिया गया है। कुछ छात्रों का आरोप था कि उन छात्रों को भी परीक्षा से रोका गया है जो नियमित रूप से क्लास आ रहे थे। एएमयू के अन्य केंद्रों (मलप्पुरम और मुर्शिदाबाद) के छात्र पास हो गए हैं, लेकिन एएमयू में जानबूझकर छात्रों को फेल किया गया है। जब छात्रों ने फैकल्टी के गेट बंद कर धरना शुरू किया। इसकी जानकारी पर प्रॉक्टर और कंट्रोलर सुरक्षाकर्मियों के साथ पहुंचे। छात्रों का कहना है कि अधिकारियों ने लोकतांत्रिक तरीके से हो रहे विरोध को दबाने के लिए बल प्रयोग किया।

"प्रशासन ने छात्रों को धमकी दी है कि जब तक धरना खत्म नहीं होगा, कोई बातचीत नहीं की जाएगी। वहीं छात्र अपनी मांग पर अड़े हैं। उनका कहना है कि पिछली बार भी प्रशासन ने बातचीत का झांसा देकर धरना खत्म करवा दिया था, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। शाम तक 60 से 70 छात्र फैकल्टी परिसर के भीतर ही डटे हुए हैं और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।

मुद्दा : यूपी में चुनाव के ठीक पहले अतीक फिर 'जिंदा' :धुरंधर पार्ट 2' से नया एंगल मिला

यूपी में चुनाव के ठीक पहले अतीक फिर 'जिंदा'

- पूर्व विधायक उदयभान करवरिया ने कार के अंदर एक चैनल को दिए इंटरव्यू में अतीक का जिक्र किया था।
- अतीक के खिलाफ सबसे पहले 1979 में पहला मुकदमा दर्ज हुआ था।

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। यूपी विधानसभा 2027 के चुनाव को अब 1 साल से भी कम का समय बाकी है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, सियासी मुद्दे भी तेजी से उभरने लगे हैं। इसी बीच करीब 3 साल बाद एक बार फिर अतीक अहमद 'जिंदा' हो गया है। यूपी की दो प्रमुख पार्टियों के राजनेताओं के बयानों में उसका

नाम लगातार आने से वह अचानक फिर सुर्खियों में लौट आया है। चुनावी जानकारों का मानना है कि चुनाव को देखते हुए अतीक अहमद को लेकर यह चर्चा जानबूझकर तेज की जा रही है, ताकि "माफिया बनाम कानून" का नैरेटिव ही नहीं सेट किया जा सके। बल्कि ध्रुवीकरण भी कराया जा सके। अतीक अहमद सिर्फ एक माफिया नहीं, बल्कि बड़ा राजनीतिक चेहरा भी रहा। वह प्रयागराज में पांच बार विधायक और एक बार सांसद चुना गया। चुनावी जानकार बताते हैं कि प्रयागराज ही नहीं, बल्कि आसपास के

बॉलीवुड में एंट्रीः 'धुरंधर पार्ट 2' से नया एंगल

हाल ही में रिलीज फिल्म धुरंधर पार्ट 2 में भी अतीक अहमद जैसा किरदार दिखाया गया है। फिल्म में दावा किया गया है कि अतीक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI से जुड़ा था। देश को कमजोर करने की साजिश में शामिल था। यूपी चुनाव को प्रभावित करने के लिए 60,000 करोड़ रुपये की नकली करेंसी पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते भारत लाने की प्लानिंग की थी। हालांकि, ये दावे फिल्मी हैं, लेकिन चुनावी जानकार मानते हैं कि ऐसे नैरेटिव का असर जनमानस पर पड़ता है।

कई जिलों की विधानसभा सीटों पर भी उसका प्रभाव माना जाता था। खासतौर पर फूलपुर,फाफामऊ,सोरांव,शहर पश्चिमी,शहर दक्षिणी,शहर उत्तरी। इन सीटों पर उसके प्रभाव की चर्चा आम रही। शहर दक्षिणी सीट को लेकर यह भी कहा जाता रहा कि एक वरिष्ठ भगवाधारी नेता के चुनाव में अतीक की "कन्विंसिंग" भूमिका रहती थी। चुनावी जानकारों का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी के लिए अतीक अहमद एक बेहद मुफीद चुनावी मुद्दा है। अतीक के बहाने बीजेपी के पास यह अवसर है कि वह लोगों को याद दिलाए कि किस तरह से माफिया का अंत कर प्रदेश को डर और दहशत के माहौल से मुक्त कराया गया। चुनावी जानकारों का मानना है कि 2027 में भी यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा।

दरअसल यह सच है कि योगी आदित्यनाथ सरकार के दौरान गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई बढ़ी। हजारों करोड़ की संपत्ति कुर्क की गई। बुलडोजर एक्शन के जरिए सख्त संदेश दिया गया।

गैस के लिए लाइन में खड़े लोग

चिलचिलाती धूप में छाता लेकर पहुंचीं महिलाएं, लोग बोले- गैस ब्लैक हो रही है

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में रसोई गैस की कमी से लोग परेशान हो रहे हैं। शहर के कई इलाकों में गैस सिलेंडर के लिए लोगों को लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है। तेज धूप में घंटों इंतजार करने के बावजूद कई लोगों को गैस नहीं मिल पा रही है। प्रशासन की ओर से होम डिलीवरी का दावा किया जा रहा है, लेकिन लोगों का कहना है कि जमीनी स्तर पर व्यवस्था ठीक नहीं है।

पहले सिलेंडर बुक कराने के लिए लाइन में लगना पड़ता है और फिर गैस लेने के लिए अलग से इंतजार करना पड़ रहा है। आज जेके मंदिर के पास स्थित भगवत इंडेन गैस सर्विस पर भी बड़ी संख्या में लोग गैस लेने पहुंचे। लोग एजेंसी के बाहर खड़े होकर गैस की गाड़ी का इंतजार करते रहे, लेकिन काफी देर तक आपूर्ति नहीं हुई। इससे लोगों में

नाराजगी देखी गई। गैस लेने आए लोगों का कहना है कि उन्हें कई बार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, फिर भी गैस नहीं मिल रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द व्यवस्था को ठीक किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। सागर गोयल ने बताया हमने 25 मार्च को गैस बुकिंग कराई थी। 26 मार्च को DAC नंबर आ गया था।

25 मार्च को सुबह से लाइन में लगे रहे, जिसके बाद शाम को करीब 4 बजे मेरा नंबर आया है। जिसके बाद 18 अप्रैल को सिलेंडर देने के लिए कहा गया है। ये लोग मेरी गैस ब्लैक में बेच दी है। अब हम आज सुबह 6 बजे से लाइन में लगे हुए है। लेकिन अब पता चला है, आज गैस नहीं आएगी। पूरे शहर मे गैस की गाड़ियां आ रही है, लेकिन यहां गाड़ियां नहीं आ रही है। अब इन लोगों का कहना है- गैस की गाड़ी सोमवार को आएगी। त्रिभुवन ने बताया- यहां हम लोग 3 दिनों से आ रहे है। हम लोगों को गैस के लिए 18 तारीख की डेट दी गई थी। जबकि आज इन लोगों ने बताया अब आज गाड़ी नहीं आएगी। मैं तो आज 8 बजे से लाइन में लगा हू, लेकिन यहां लोग सुबह 6 बजे से लाइने लगाते है। जब आपको पता था, आज गाड़ी नहीं आएगी तो पहले बताना था। लेकिन इन्होंने नहीं बताया।

चिट्ठी में लिखा- हमारी कौम के लोगों को सजा सुनाई, मौके की तलाश है

जज को बम से उड़ाने की धमकी

खतरा

सहायक पुलिस अधीक्षक अरीबा नोमान ने बताया कि जज की सिक्योरिटी बढ़ाई गई है।

आदित्य चतुर्वेदी, जज

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में जज आदित्य चतुर्वेदी को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पत्र, डाक के जरिए भेजा गया। इसमें लिखा है- जिला कोर्ट लखनऊ में आदित्य चतुर्वेदी ने कई मुकदमों में हमारी कौम के बेगुनाह लोगों को सजा सुनाकर घर तबाह कर दिए। हम सभी लोग कई दिनों से उनकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं। बस मौके की तलाश हैं। 30 अप्रैल तक इनको कोर्ट परिसर में बम से उड़ा देंगे।

जज अदित्य चतुर्वेदी, झांसी में एससी-एसटी एक्ट कोर्ट के विशेष न्यायाधीश है। उन्हें 16 अप्रैल को धमकी भरा पत्र मिला था। भेजने वाले का नाम मोहम्मद सलीम मंसूरी लिखा था। सहायक पुलिस अधीक्षक अरीबा नोमान ने बताया-किसी ने डाक भेजकर जज को डराने व धमकाने की कोशिश की है। यह डाक न्यायालय परिसर स्थित डाकघर से प्राप्त हुई है। प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि किसी शरारती तत्व ने ये काम किया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। न्यायालय की सुरक्षा बढ़ाई गई है। साथ ही जज की सिक्योरिटी बढ़ाई गई है।

कचहरी परिसर स्थित डाकघर से भेजा गया पत्र

पुलिस ने पत्र को लेकर छानबीन शुरू कर दी है। प्रारंभिक छानबीन में पता चला कि पत्र कचहरी परिसर स्थित डाकघर से भेजा गया है। उसमें कचहरी परिसर डाकघर की मुहर लगी थी। पुलिस ने पत्र भेजने का समय भी पता कर लिया है। पुलिस अब आसपास सीसीटीवी खंगाल रही है। पुलिस अफसरों का कहना है कि जल्द ही आरोपी की पहचान कर ली जाएगी। हालांकि, पुलिस को इसके पीछे किसी शरारती तत्व के होने की आशंका है।

"17 अप्रैल को जिला कोर्ट के अधिकारी ने एसपी सिटी को पत्र लिखकर जानकारी दी। पुलिस ने कोर्ट, जज और उनके आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने 17 अप्रैल की रात को मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

शिकायत पर संबंधित राजस्व कर्मियों की तय होगी जिम्मेदारी

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से तहसील नवाबगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने न केवल फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना, बल्कि प्रत्येक शिकायत में सम्बन्धित अधिकारी को बुलाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि चकमार्ग एवं सरकारी रास्तों पर अतिक्रमण की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी शिकायतों में संबंधित राजस्व कर्मियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी तथा लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। समाधान दिवस के दौरान क नाम ग्राम नसीरपुर द्वारा खतौनी में आवेदक का नाम के स्थान पर अलग कराए जाने के संबंध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर संबंधित अधिकारियों द्वारा कम्प्यूटरीकृत खतौनी को तत्काल दुरुस्त कर आवेदक को हस्तगत कराया गया।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद, सरकारी रास्ते/चकमार्ग, राशन कार्ड, पेंशन, आवास एवं अन्य जनसामान्य से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त रखना प्रशासन की प्रमुख जिम्मेदारी है ।

फास्ट न्यूज

गाजीपुर सिटी स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में कमी

गाजीपुर। वाराणसी मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने शनिवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर और वाटर बूथ सहित विभिन्न यात्री सुविधाओं में कमी पाई गई। डीआरएम आशीष जैन ने सभी प्लेटफॉर्मों पर पंखे और वाटर कूलर लगाने के निर्देश दिए।

नशे में झूमते मिले आईआईटी स्टूडेंट समेत 140 रईसजादे

कानपुर। कानपुर में शुक्रवार देर रात हाईप्रोफाइल रेव पार्टी में पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान IIT स्टूडेंट समेत 140 रईसजादे नशे में झूमते पाए गए। इनमें कानपुर के कई नामी इंस्टीट्यूट के अलावा दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के रहने वाले लड़के लड़कियां थे। ये रेव पार्टी एनआ-रआई सिटी के स्टेला नाओमी क्लब में चल रही थी। पुलिस ने पार्टी के ऑर्गनाइजर को अरेस्ट कर लिया। इनके पास से नशा LSD, कोकीन, गांजा, चरस, क्रशर और हसीस समेत कई ड्रग्स बरामद हुए हैं।

सोमनाथ यात्रा शुरू, 16 लोग शामिल

गाजीपुर। गाजीपुर में जिलाधिकारी अविनाश कुमार के निर्देश पर 18 अप्रैल, 2026 को सोमनाथ यात्रा का शुभारंभ किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रायफल क्लब से इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा 24 अप्रैल तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ संचालित होगी।

इस यात्रा में प्रशासन और विभिन्न विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए।

अखिलेश ने जहां चाय पी उस दुकान पर छापा

तमसा संकेत, एजेंसी

मालिक बोला- भैया के आने के बाद से परेशान कर रहे, दुकान बंद की

फतेहपुर। यूपी के फतेहपुर में एक चाय की दुकान पर फूड सेफ्टी विभाग ने छापेमारी की। चाय के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे। छापेमारी जिस दुकान पर की गई, वहां 2 महीने पहले सपा मुखिया अखिलेश यादव ने चाय पी थी। यही वजह है कि ये छापेमारी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

दुकान मालिक शेषमन यादव ने बताया गुरुवार 16 अप्रैल को फूड सेफ्टी विभाग के अफसर और कर्मचारी आए। उन्होंने चाय के सैंपल लिए। पूछा कि एल्युमिनियम के बर्तन में चाय क्यों बनाते हो? उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश भैया के आने के बाद से ही परेशान किया जा रहा है। जीना मुश्किल कर दिया। एल्युमिनियम के नहीं तो अब क्या सोने-चांदी के बर्तन में चाय बनाएं। चाय की दुकान पर छापेमारी पर खाद्य निरीक्षक धीरेंद्र दीक्षित ने कहा-अहमद नामक व्यक्ति ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। कहा था कि दुकान पर चाय बनाने में मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। उसी शिकायत के आधार पर टीम ने जांच की। चाय का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है। वहीं, अखिलेश यादव ने इसको लेकर सोशल मीडिया X पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- मत डरिए, अपना काम करिए। चिंता न करें, बुरे दिन जानेवाले हैं।

आतंकियों की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट को घेरा, बम स्क्वॉयड ने ली तलाशी, 2 डमी आतंकी पकड़े

एयरपोर्ट पर एटीएस और सीआईएसएफ की मॉकड्रिल

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या के महार्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर सुरक्षा व्यवस्था को परखने के लिए मॉक ड्रिल किया गया। यहां पर डमी आतंकवादियों को पकड़ने के लिए सीन रिक्रिएट किया गया। CISF को सूचना मिली कि एयरपोर्ट के सिटी साइड इलाके में आतंकवादी घुस आए हैं।

जिसके बाद डिप्टी कमांडेंट रवींद्र सिंह क्विक रिएक्शन टीम (QRT) के साथ मौके पर पहुंच गए। इलाके को चारों तरफ से घेर ले लिया। फौरन ATS को आतंकवादियों के बारे में सूचना दी। उसके बाद बम स्कॉयड टीम को भी बुला लिया गया। उसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

चप्पे -चप्पे की तलाशी ली गई। इस दौरान 2 डमी आतंकवादी दिखाई दिए। जवानों ने उन्हें दौड़कर जिंदा पकड़ लिया। जबकि एक आतंकी ने गोली चलाकर भागने का प्रयास किया। दोनों तरफ से गोलीबारी हुई। जिसमें डमी आतंकी की मौत हो गई। ATS जिंदा पकड़े गए आतंकियों को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। मॉक ड्रिल के दौरान एयरपोर्ट के ऑब्जर्वर और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी भी वहां पर मौजूद रहे। अधिकारियों की तरफ से उन्हें पूरे ऑपरेशन की जानकारी दी गई।

लश्कर का एरिया कमांडर अयोध्या में ढेर हुआ था

लश्कर के एरिया कमांडर मोहम्मद इमरान को सितंबर 2001 में अयोध्या के बाईपास पर ही मार गिराया गया था। जबकि मोहम्मद इमरान के दो अन्य सहयोगी भी पकड़े गए थे। इसके अलावा साबरमती बम विस्फोट, फैजाबाद कचहरी ब्लास्ट जैसी घटनाएं भी हुई। हालांकि समय के साथ अब अयोध्या की सुरक्षा पहले के मुकाबले कई गुना बेहतर और सतर्क है।

आतंकवादियों ने एयरपोर्ट को चारों तरफ से घेर लिया।

2005 में अस्थायी राम मंदिर के पास 5 आतंकी मारे गए थे

5 जुलाई साल 2005 को अस्थायी राम मंदिर पर हमला करने लश्कर-ए-तैयबा के 5 आतंकी पहुंचे। आतंकियों ने जैसे रॉकेट लांचर चलाने की कोशिश की, सुरक्षाबलों ने घेर कर पांचों को मार डाला। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास के मुताबिक, उस दिन बालक राम टेंट में विराजमान थे। उस दौरान भक्त दर्शन के लिए यहां आते थे। लेकिन, 5 जुलाई 2005 के दिन कुछ आतंकियों ने हमला किया। जैसे ही आतंकियों ने लांचर फेंका, फिर वहां तेज से आवाज हुई।

काशी में कहा- राजनीतिक दोहरापन राष्ट्र और धर्म के लिए हानिकारक

गोहत्या पर तत्काल प्रतिबंध लगे:शंकराचार्य निश्चलानंद

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में शंकराचार्य स्वामी निश्चलानन्द सरस्वती ने कहा- अदूरदर्शी राजनीति के कारण सनातन धर्म के मान बिंदुओं की रक्षा नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा- जो नेता पहले किसी राज्य के मुख्यमंत्री रहते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से देशभर में गोहत्या पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग करते थे। यह बातें स्वामी निश्चलानन्द सरस्वती ने श्री दक्षिणामूर्ति मठ में शुक्रवार को प्रवास के दौरान कही। इसी अवसर पर डॉ. पद्माकर ने श्रीदक्षिणामूर्ति मंदिर के जीर्णोद्धार और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मंदिर अत्यंत प्राचीन है और मंदिर पर अंकित वैदिक कालीन संकेतों के अध्ययन से इसकी आयु लगभग 1964 वर्ष आंकी गई है। जीर्णोद्धार के पश्चात मंदिर में विराजमान भगवान श्री दक्षिणामूर्ति को भगवान भगवान शिव का स्वरूप माना गया है। आने वाले समय में मंदिर परिसर में भव्य शिव दरबार स्थापित किया जाएगा, जिसमें शिवलिंग, माता पार्वती, भगवान गणेश, कार्तिकेय और नंदी की प्रतिमाएं विराजमान होंगी। इसके अतिरिक्त भगवान हनुमान की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी।

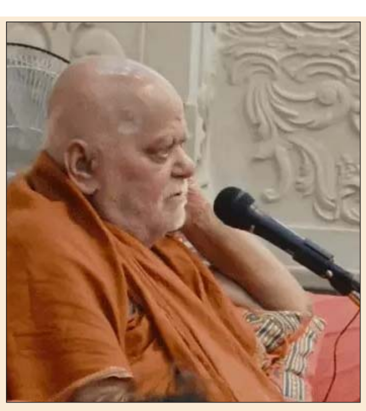

वही प्रधानमंत्री बनने के बाद गौरक्षकों के लिए गुंडे शब्द का प्रयोग करते नजर आते हैं। ऐसी राजनीतिक दोहरापन राष्ट्र और धर्म दोनों के लिए हानिकारक है।

शंकराचार्य ने गृहस्थ आश्रम की महत्ता को बताया

स्वामी निश्चलानन्द सरस्वती ने गृहस्थ जीवन की श्रेष्ठता से जुड़े प्रश्न के जवाब में कहा- गृहस्थ आश्रम के दो प्रमुख उद्देश्य हैं। पहला, वंश परंपरा का संरक्षण और निरंतरता।

दूसरा, पारिवारिक और सामाजिक दायित्वों के बीच रहते हुए व्यक्ति का धीरे-धीरे वैराग्य की ओर उन्मुख होना। उन्होंने स्पष्ट किया कि गृहस्थ जीवन केवल भोग का माध्यम नहीं, बल्कि साधना और आत्मविकास का महत्वपूर्ण चरण है, जहां व्यक्ति जीवन के वास्तविक अर्थ को समझ सकता है।

'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अंतर्गत 10 तीर्थयात्री सोमनाथ धाम के लिए रवाना

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने "सोमनाथ स्वाभिमान पर्व" के तहत जनपद के 10 तीर्थयात्रियों को हरी झंडी दिखाकर सोमनाथ मंदिर के लिए रवाना किया। यह पर्व भारत की आस्था, संस्कृति और आत्मगौरव का प्रतीक है, जो सोमनाथ मंदिर के हजार वर्षों के इतिहास को स्मरण करता है।

जनपद से रवाना हुए तीर्थयात्रियों में प्रगतिशील किसान हरिपाल सिंह, अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी कुंवरपाल, युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष मनीष चतुर्वेदी, ग्राम प्रधान सुमित्रा देवी, युवा उद्यमी मनीष कुमार अग्रवाल, एनआरएलएम उद्यमी सुंदरी कुमारी, भिही कला उद्यमी कलुआ, वीर शहीद की पत्नी विजय देवी, व्यापार संघ महामंत्री मृदुल अग्रवाल एवं ज्योतिषाचार्य विजय कुमार शर्मा शामिल हैं।

सभी यात्री 18 अप्रैल को लखनऊ के लिए रवाना हुए, जहां से 19 अप्रैल को विशेष ट्रेन द्वारा सोमनाथ के लिए प्रस्थान करेंगे। यात्रा के दौरान सोमनाथ संकल्प संवाद, कॉम्प्लेक्स भ्रमण, लाइट एंड साउंड शो, म्यूजियम विजिट, भजन संध्या, रुद्राभिषेक, महाआरती और स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित सोमनाथ मंदिर द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माना जाता है। इतिहास में कई बार आक्रमण झेलने के बावजूद इसका पुनर्निर्माण भारतीय संस्कृति की अटूट आस्था और पुनरुत्थान का प्रतीक है।

उल्लेखनीय है कि "सोमनाथ स्वाभिमान पर्व" के अंतर्गत 11 जनवरी 2026 से 11 जनवरी 2027 तक देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य भारतीय संस्कृति, आस्था और गौरव को जन-जन तक पहुंचाना है।

पृष्ठ 01 का शेष...

केंद्र सरकार ने ...

केंद्र सरकार साल में दो बार, जनवरी और जुलाई में महंगाई भत्ते (DA) और महंगाई राहत (DR) में बदलाव करती है। इस फैसले से कर्मचारियों की मंथली सैलरी और पेंशनर्स की पेंशन में इजाफा होता है।

नए वेतन आयोग के लागू होने तक महंगाई भत्ता बेसिक पे के प्रतिशत के रूप में ही कैलकुलेट किया जाता रहेगा। इसे हर छह महीने में जनवरी और जुलाई में संशोधित किया जाता है।

यानी, 8वें वेतन आयोग के लागू होने तक महंगाई भत्ता मिलता रहेगा। आयोग आने पर मौजूदा DA को बेसिक पे में मर्ज कर दिया जाएगा। यानी, अभी जो 58% DA मिल रहा है वो जीरो हो जाएगा।

8वें सेंट्रल पे कमीशन का मकसद सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉई की सैलरी, पेंशन और अलाउंस को रिवाइज करना है। इसमें महंगाई, एम्प्लॉई की जरूरतें और गवर्नमेंट की अफोर्डेबिलिटी को ध्यान में रखा जाएगा।

महाराष्ट्र ओडिशा ...

पुलिस के अनुसार ये सभी आरोपी एक कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित थे और गजवा-ए-हिंद जैसे नैरेटिव को बढ़ावा दे रहे थे। आरोपी एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया ग्रुप्स पर एक्टिव थे। इन ग्रुप्स में जिहाद, हथियार और कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़ा कंटेंट शेयर किया जाता था।

इन्हीं प्लेटफॉर्म्स के जरिए नए लोगों को जोड़ने और प्रभावित करने की कोशिश की जा रही थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, एक आरोपी ने रेड फोर्ट की एडिटेड तस्वीर शेयर की थी, जिसमें काला झंडा लगाया गया था। इसके जरिए आरोपी लोगों को भड़काना चाहते थे।

पुलिस का कहना है कि चारों आरोपी साधारण बैकग्राउंड से आते हैं। मोसाइब अहमद पहले खाड़ी देशों में ऑटो इलेक्ट्रीशियन के तौर पर काम कर चुका है और उसी तकनीकी जानकारी का इस्तेमाल IED बनाने में कर रहा था।

राहुल पर एफआईआर ...

कोर्ट ने कहा कि राहुल गांधी को नोटिस जारी किए बिना फैसला करना उचित नहीं है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तारीख तय की है।

यह याचिका कर्नाटक में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने दायर की थी। उन्होंने राहुल गांधी पर ब्रिटिश नागरिकता का आरोप लगाते हुए विदेशी अधिनियम, पासपोर्ट अधिनियम आदि में केस दर्ज होने की मांग की है।

कोर्ट का फैसला आने के बाद विग्नेश ने कहा- राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज करने का फैसला वापस लेने की शिकायत हम CJI से करेंगे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने शुक्रवार को राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश दिया था। जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने कहा था- FIR दर्ज करके मामले को CBI को ट्रांसफर किया जाए। हालांकि, इससे पहले 28 जनवरी, 2026 को MP-MLA कोर्ट ने विग्नेश शिशिर की याचिका को खारिज कर दिया था।

सुनवाई के दौरान जज सुभाष विद्यार्थी ने गृह मंत्रालय के फॉरेनर्स डिवीजन को निर्देश दिए थे कि मामले से संबंधित सभी जरूरी दस्तावेज पेश करें। मंत्रालय ने केस से जुड़ी सभी फाइलें हाईकोर्ट में पेश की थीं।

होर्मुज से गुजर रहे ...

ईरान ने कहा कि अमेरिका ने सीजफायर डील का उल्लंघन किया, इसलिए होर्मुज से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह सेना के कंट्रोल में होगी।

वहीं अमेरिका ने होर्मुज से नाकेबंदी हटाने से इनकार कर दिया था। ट्रम्प ने कहा कि जब तक ईरान अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता, तब तक यह जारी रहेगी। साथ ही अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि ईरान के बंदरगाहों और तटीय इलाकों पर समुद्री ब्लॉकेड लगातार लागू रहेगा। ब्लॉकेड लागू करने के लिए अमेरिकी युद्धपोत USS कैनबरा अरब सागर में गश्त कर रहा है।

दोबारा बातचीतः अमेरिका और ईरान की टीमें सोमवार को फिर से पाकिस्तान में बातचीत कर सकती हैं। हालांकि दोनों पक्षों ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है।

इजराइल ने सीजफायर के बावजूद लेबनान में हमले जारी रखने की बात स्वीकार की है। इजराइली सेना ने कहा है कि उसके बलों ने दक्षिणी लेबनान में कई जगहों पर आर्टिलरी और एयर स्ट्राइक किए हैं।

सेना के मुताबिक, यह कार्रवाई उन लड़ाकों के जवाब में की गई, जो उन इलाकों के करीब आ रहे थे जहां इजराइली सैनिक तैनात हैं। इजराइल ने इसे "तत्काल खतरा" बताते हुए कहा कि आत्मरक्षा में उठाए गए ऐसे कदम सीजफायर के दायरे में नहीं आते।

इससे पहले भी दक्षिणी लेबनान के कई शहरों—जैसे बेइत लीफ, कंतारा और टूलिन—पर गोलाबारी की खबरें सामने आई हैं। इसके अलावा, कई इलाकों में घरों को ध्वस्त करने की कार्रवाई भी जारी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENT-COM) ने कहा है कि वह ईरान के बंदरगाहों और तटीय इलाकों पर अपना समुद्री ब्लॉकेड लगातार लागू रखे हुए है।

CENTCOM के मुताबिक, इस अभियान के तहत अब तक 23 जहाजों को वापस लौटाया जा चुका है, जिन्होंने अमेरिकी निर्देशों का पालन किया। ब्लॉकेड को लागू करने के लिए अमेरिकी युद्धपोत USS Canberra अरब सागर में गश्त कर रहा है।

निजी स्कूल के ...

लोगों का कहना है कि स्कूल द्वारा अपनी छवि बेहतर दिखाने के लिए गलत तरीके से टॉपर घोषित किया गया।

मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन से जांच की मांग की जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।इस पूरे प्रकरण के बाद निजी स्कूलों में रिजल्ट प्रक्रिया और पारदर्शिता को लेकर बहस तेज हो गई है। अब सभी की निगाहें प्रशासन की जांच और संभावित कार्रवाई पर टिकी हैं।

यूपी में सीजन का...

यानी, इस बार 10 दिन पहले से ही गर्मी सख्त तेवर दिखाने लगी है।

इसके अलावा, झांसी समेत 17 जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री या इसके पार दर्ज किया गया। वाराणसी और प्रयागराज में गर्मी के चलते 8वीं तक के स्कूलों की टाइमिंग बदल दी गई है। काशी में अब सुबह 7.30 से 1 बजे तक और प्रयागराज में सुबह 7.30 से दोपहर 12 बजे तक क्लासेस चलेंगी।

गोरखपुर चिड़ियाघर में गर्मी से राहत दिलाने के लिए हाथी 'गंगा प्रसाद' को थोड़ी-थोड़ी देर में नहलाया जा रहा है। कौशांबी कलेक्ट्रेट परिसर के पार्क में बंदरों के लिए पानी भरवाया गया है। गोरखपुर में चलती बाइक में अचानक आग लग गई।

राइडर तुरंत बाइक से कूदकर भागा। आसपास के लोगों ने पानी फेंककर आग पर बुझाई।

पकड़ा गया नोएडा ...

सोशल मीडिया से लेकर औद्योगिक इलाकों में घूमते हुए कुछ लोगों ने पूरा माहौल तैयार किया। इसके पीछे तीन संगठनों के नाम सामने आए हैं, जिनमें 'मजदूर बिगुल दस्ता' प्रमुख है। पुलिस ने इस संगठन के प्रमुख रूपेश राय को गिरफ्तार करने के साथ ही श्रमिकों को भड़काने वाले 18 अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया था। पुलिस उपायुक्त शैव्या गोयल ने बताया कि श्रमिकों के प्रदर्शन से पहले तीन दिन के भीतर 80 से ज्यादा व्हाट्सऐप ग्रुप तैयार किए गए, जिनमें से करीब 50 ग्रुप की जानकारी पुलिस को मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि इनमें से 17 ग्रुप का सत्यापन किया गया है, जिनमें हिंसा भड़काने वाले मैसेज साझा किए गए थे। गोयल के अनुसार, इन ग्रुप में श्रमिकों की वास्तविक मांगों जैसे वेतन वृद्धि या कार्य स्थिति में सुधार को लेकर कोई चर्चा नहीं थी। इसके बजाय कर्मचारियों को उकसाने, भीड़ जुटाने और कारखानों में तोड़फोड़ करने जैसी बातें लिखी जा रही थीं।

सुंदर ने कैच, बटलर ने स्टंपिंग छोड़ी, चक्रवर्ती ने सीजन का पहला विकेट लिया

कैमरन ग्रीन के छक्के पर कार से टकराई गेंद

खेल

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL के 25वें मैच में गुजरात टाइटंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हरा दिया। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कैमरन ग्रीन के छक्के पर गेंद कार से टकरा गई। वॉशिंगटन सुंदर ने आसान कैच छोड़ा, वहीं जोस बटलर ने स्टंपिंग का मौका गंवा दिया। वरुण चक्रवर्ती ने 19वें सीजन में अपना पहला विकेट लिया।

14वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने आसान कैच छोड़ दिया। ओवर की तीसरी बॉल राशिद खान ने गुड लेंथ पर फेंकी। कैमरन ग्रीन ने स्वीप शॉट खेला, लेकिन गेंद स्क्वेयर लेग की ओर हवा में चली गई। सुंदर दौड़ते हुए गेंद के पास पहुंचे, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। जीवनदान के वक्त ग्रीन 62 रन के स्कोर पर थे। इससे पिछली ही गेंद पर विकेटकीपर जोस बटलर से भी मुश्किल कैच छूट गया था।

> 20वें ओवर में जोस बटलर ने स्टंपिंग का मौका भी गंवा दिया। ओवर की पांचवीं बॉल राशिद खान ने फुलर लेंथ फिलपर फेंकी। कैमरन ग्रीन आगे निकलकर बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन मिस कर गए। गेंद विकेटकीपर बटलर की ओर गई, लेकिन वे बॉल नहीं पकड़ पाए। गेंद बाउंड्री के पार चली गई। 3 जीवनदान के बाद ग्रीन 79 रन बनाकर आउट हुए।

गुजरात की बैटिंग में कोलकाता के अनुकूल रॉय ने पावरप्ले के एक ओवर में 20 रन खर्च कर दिए। लेफ्ट आर्म स्पिनर तीसरे ओवर में बॉलिंग करने आए। दूसरी गेंद पर शुभमन गिल ने इनसाइड आउट शॉट खेला और कवर्स की दिशा में छक्का लगा दिया। साई सुदर्शन ने फिर चौथी और छठी गेंद पर लेग साइड की दिशा में 2 और सिक्स लगा दिए। ओवर में 3 छक्कों के सहारे 20 रन बने।

10वें ओवर में कोलकाता के वरुण चक्रवर्ती ने जोस बटलर को कैच कराया। उन्होंने ओवर की पहली गेंद फुलर लेंथ फेंकी, बटलर सिक्स लगाने गए, लेकिन लॉन्ग ऑन पर कैमरन ग्रीन के हाथों कैच हो गए। यह चक्रवर्ती का सीजन में पहला विकेट रहा। इससे पहले चेन्नई, हैदराबाद और मुंबई के खिलाफ उन्हें विकेट नहीं मिला था। वरुण ने गुजरात के खिलाफ IPL में पहली बार ही कोई विकेट लिया। इससे पहले 4 पारियों के 13 ओवर में 128 रन देने के बाद भी उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। हालांकि, वरुण ने बटलर को जरूर 7वीं बार पवेलियन भेजा।

डीआरएस में बचे कैमरन ग्रीन

पांचवें ओवर में कैमरन ग्रीन DRS लेने के कारण आउट होने से बच गए। ओवर की चौथी बॉल मोहम्मद सिराज ने बाउंसर फेंकी। गेंद विकेटकीपर के पास चली गई, गुजरात ने कॉट बिहाइंड की अपील की और अंपायर ने आउट दे दिया। ग्रीन ने रिव्यू लिया, रिप्ले में नजर आया कि गेंद बैट से नहीं लगी। ग्रीन नॉटआउट रहे और DRS बच गया।

बांग्लादेश दौरे के लिए पाकिस्तान टेस्ट टीम का ऐलान

शान मसूद संभालेंगे कमान, 4 नए खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। 8 मई से ढाका में शुरू होने वाली इस सीरीज में शान मसूद टीम की कप्तानी करेंगे। इस स्क्वॉड में चार अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल किया है। यह सीरीज ICC वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) का हिस्सा है। टीम में अब्दुल्ला फजल, अमाद बट, अजान ओवैस और मोहम्मद गाजी घोरी के रूप में चार नए खिलाड़ियों को जगह मिली है। वहीं, टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान को भी शामिल किया गया है।

फिलहाल अजान ओवैस, इमाम-उल-हक और साजिद खान जैसे खिलाड़ी लाहौर के नेशनल क्रिकेट एकेडमी (NCA) कैंप में तैयारी कर रहे हैं। इस दौरे के लिए कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव किया गया है। पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। सरफराज की कप्तानी में पाकिस्तान ने 2006 में अंडर-19 वर्ल्ड कप और 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। उनके साथ पूर्व क्रिकेटर असद शफीक को बैटिंग कोच और उमर गुल को बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी दी गई है। सीरीज का पहला मुकाबला 8 से 12 मई तक ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा टेस्ट 16 से 20 मई तक सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा।

गिल की फिफ्टी से गुजरात लगातार तीसरा मैच जीता

कोलकाता आईपीएल सीजन में 5वां मैच हारी, रबाडा ने 3 विकेट झटके

नई दिल्ली, एजेंसी

गुजरात टाइटंस ने IPL के मौजूदा सीजन में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को 5 विकेट से हराया।

अहमदाबाद में 181 रन का टारगेट गुजरात ने 19.4 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया। टॉस जीतकर बैटिंग कर रही कोलकाता 20 ओवर में 180 रन पर ऑलआउट हो गई।

GT की टीम तीसरी जीत के साथ पॉइंट्स टेबल के चौथे स्थान पर आ गई है। जबकि, KKR सबसे निचले पायदान पर है। टीम को पहली जीत की तलाश है। मैच का स्कोरबोर्ड

गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने रन चेज को एकतरफा कर दिया। उन्होंने 50 बॉल पर 86 रन की पारी

खेली। वे साई सुदर्शन के साथ ओपन करने उतरे। दोनों ने 31 बॉल पर 57 रन की ओपनिंग साझेदारी की। गिल ने बटलर के साथ 38 और सुंदर के साथ 46 रन की साझेदारी की। गिल के अलावा, साई सुदर्शन ने 22, बटलर ने 25 और सुंदर ने 13 रन बनाए। वरुण चक्रवर्ती को 2 विकेट मिले।

ग्रीन की फिफ्टी काम न आई

टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरी कोलकाता की ओर से कैमरन ग्रीन ने 55 बॉल पर 7 चौके और 4 छक्के के सहारे 79 रन की पारी खेली। टीम का कोई अन्य बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। कगिसो रबाडा ने 3 विकेट झटके। मोहम्मद सिराज और अशोक शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान को एक-एक विकेट मिला।

20वें ओवर की चौथी बॉल पर शाहरुख खान ने दो रन लेकर अपनी टीम को जीत दिलाई। गुजरात ने इस मैच को 5 विकेट से जीता। गुजरात को आखिरी 6 बॉल पर 5 रन की जरूरत है। वैभव अरोरा ने 19वें ओवर में महज 6 रन दिए। सभी रन सिंगल-डबल्स के जरिए आए।

डरबन टी-20 में 159 का टारगेट 5 बॉल रहते चेज किया सीरीज में 1-0 की बढ़त

साउथ अफ्रीका ने टीम इंडिया को पांच विकेट से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ अफ्रीका महिला टीम ने भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में जीत के साथ शुरुआत की है। डरबन में खेले गए मैच में मेजबान टीम ने भारत को 5 विकेट से हरा दिया। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 158 रन बनाए थे, जिसे साउथ अफ्रीका ने कप्तान लौरा वोल्वार्ट की 51 रनों की पारी के दम पर आसानी से हासिल कर लिया।

यह साउथ अफ्रीका का टी-20 इंटरनेशनल में अब तक का पांचवां सबसे सफल रन चेज है। इसी के साथ साउथ अफ्रीका ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा ने आते ही आक्रामक रुख अपनाया और 17 गेंदों पर 34 रन बनाए। उन्होंने 200 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की।

हालांकि, साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों ने उन्हें शॉर्ट बॉल पर फंसाने की रणनीति अपनाई। खाका की शॉर्ट बॉल पर वे एक बार बचीं, लेकिन अंत में तुमी सेखुखुने की शॉर्ट पिच गेंद पर कैच थमा बैठीं। वहीं स्मृति मंधाना सिर्फ 7 रन बनाकर खाका का शिकार बनीं।

साउथ अफ्रीका की जीत की नींव गेंदबाज अयाबोंगा खाका ने रखी। उन्होंने अपने 4 ओवर के स्पैल में केवल 16 रन देकर 3 विकेट चटकाए। खाका इस साल फुल मेंबर देशों के खिलाड़ियों में टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनी हुई हैं। उनके अलावा तुमी सेखुखुने ने भी दो सफलताएं हासिल कीं।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की शुरुआत शानदार रही। ओपनिंग पर लौटीं कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने 39 गेंदों पर 51 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में ऑन-साइड पर शानदार खेल दिखाते हुए 35 रन बटोरे।

वोल्वार्ट ने एनरी डेर्कसेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी की।

आखिरी 5 ओवर में भारत के 4 विकेट गिरे

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। जेमिमा रोड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर ने तीसरे विकेट के लिए 51 गेंदों पर 71 रनों की साझेदारी की।

15वें ओवर तक भारत का स्कोर 2 विकेट पर 119 रन था और लग रहा था कि टीम 180 के पार जाएगी। हालांकि, आखिरी 5 ओवरों में टीम इंडिया ने सिर्फ 33 रन जोड़े और 4 विकेट गंवा दिए, जिससे टीम 160 के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सकी।

मनोरंजन

'फिलहाल नहीं बन रही हेरा फेरी 3'

अक्षय कुमार ने किया कन्फर्म, बोले- कुछ बातें ऐसी हैं, जो नहीं बता सकते

नई दिल्ली। एक्टर अक्षय कुमार ने हाल ही में बताया कि फिल्म हेरा फेरी 3 फिलहाल नहीं बन रही है। यह बात अक्षय ने शुभांकर मिश्रा के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कही।

इंटरव्यू में अक्षय ने माना कि इस खबर से फैंस को झटका लगा है और उन्हें खुद भी उतना ही झटका लगा था।

अक्षय ने बताया कि फिल्म में देरी की वजह सिर्फ कास्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि कई और समस्याएं हैं, जिनकी वजह से प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पा रहा।

एक्टर ने यह भी साफ किया कि तीनों कलाकारों के साथ आने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वेलकम टू द जंगल में वो, सुनील शेट्टी और परेश रावल एक साथ काम कर रहे हैं। पहली

फिल्म, हेरा फेरी, जिसे प्रियदर्शन ने डायरेक्ट किया था, 2000 में रिलीज हुई थी, जबकि इसके सीक्वल, फिर हेरा फेरी, जिसे नीरज वोरा ने डायरेक्ट किया था, 2006 में रिलीज हुई थी।

कुछ बातें ऐसी हैं, जो नहीं बता सकते : अक्षय

अक्षय ने आगे कहा कि कुछ बातें ऐसी हैं, जिन्हें वो कैमरे पर नहीं बता सकते। उन्होंने समझौतों और दूसरे कारणों का जिक्र किया, जो इस फिल्म को पीछे धकेल रहे हैं।

हालांकि, अक्षय ने उम्मीद जताई कि जब सही समय आएगा, तब हेरा फेरी 3 जरूर बनेगी। उन्होंने हल्के अंदाज में कहा कि उम्मीद है तब तक वे सभी बहुत बूढ़े नहीं हो जाएंगे।

गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट को लेकर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसमें परेश रावल का फिल्म से अलग होना भी शामिल था। हालांकि बाद में वो फिल्म से जुड़ गए।

सनी देयोल की हुई बल्ले-बल्ले, एक्शन थ्रिलर लिए इस निर्देशक से मिलाया हाथ

नई दिल्ली। साल 2026 सनी देओल (Sunny Deol) के करियर को एक नई उड़ान देने वाला साबित हो रहा है। 'बॉर्डर 2' के बाद सुपरस्टार के हाथ में 'इक्का', 'लाहौर 1947', 'रामायण पार्ट 1' और 'बॉर्डर 3' जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। इसी बीच अब सनी देओल के हाथ एक और बड़ी फिल्म लग गई है। सनी देओल ने अब किस साउथ डायरेक्टर और बॉलीवुड के बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ हाथ मिलाया है? आइए नीचे विस्तार से जानते हैं:

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, अपने 'ढाई किलो के हाथ' के लिए मशहूर सनी देओल जल्द ही एक जबरदस्त एक्शन फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्माण फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के 'एक्सेल एंटरटेनमेंट' के साथ-साथ दिग्गज साउथ फिल्ममेकर ए आर मुरुगदास के

प्रोडक्शन तले किया जा रहा है। यह एक एक्शन से भरपूर फिल्म होने वाली है, जिसके निर्देशन की कमान चेन्नई बेस्ड निर्देशक बालाजी गणेश संभाल रहे हैं। आपको बता दें कि बालाजी गणेश इससे पहले ए आर मुरुगदास के साथ असिस्टेंट के तौर पर काम कर चुके हैं और उनके साथ मिलकर कुछ फिल्मों को, को-डायरेक्ट भी किया है। इस फिल्म का टेंटेटिव टाइटल 'एंटनी' रखा गया है। यह ए आर मुरुगदास और फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस के साथ सनी देओल का पहला कोलैबोरेशन होने वाला है।

विराट कोहली के सपोर्ट में उतरीं अमीषा पटेल

जर्मन मॉडल की फोटो लाइक करने पर हो रही ट्रोलिंग पर बोलीं- कहा- ये कोई पाप है क्या

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेटर विराट कोहली, इंस्टाग्राम पर जर्मन मॉडल की तस्वीर लाइक कर चर्चा का विषय बन गए हैं। कुछ लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं, तो कुछ उनकी आलोचना कर रहे हैं। इसी बीच एक्ट्रेस अमीषा पटेल, क्रिकेटर के सपोर्ट में उतरी हैं। उनका कहना है कि ये किसी की भी तस्वीर लाइक करना कोई पाप नहीं है।

हाल ही में मुंबई में स्पॉट हुईं अमीषा पटेल से विराट कोहली पर सवाल किया गया था। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं समझ नहीं पा रही हूं। लाइक करना कोई पाप है क्या। उनका इंस्टाग्राम, उनकी मर्जी, लाइक करें। लोगों को बस ट्रोल करना ही आता है। उनके पास कोई काम धंधा ही नहीं है। अच्छी बात है किसी के अच्छे काम

को लाइक करना। उनकी लाइफ, उनका इंस्टाग्राम, उनकी मर्जी। ट्रोल करना पाप है, किसी को लाइक करना नहीं।' हाल ही में एक फोटोग्राफर ने एक स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें जर्मन मॉडल लिजलाज की फोटो पर विराट कोहली के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से लाइक किया गया था। इसके साथ फोटोग्राफर ने लिखा था, 'इस पर कैसे रिएक्ट करें, जब GOAT विराट कोहली, आपकी पोस्ट लाइक कर दें। मैं और लिजलाज अभी भी अपनी आंखें मलकर देख रहे हैं कि ये सच में हो रहा है या नहीं, हाहा, धन्यवाद GOAT।' फोटोग्राफर की पोस्ट सामने आने के बाद से ही विराट को ट्रोल किया जाने लगा। ट्रोलिंग की एक वजह ये थी कि कुछ समय पहले ही विराट कोहली के ऑफिशियल अकाउंट से एक्ट्रेस अवनीत कौर की फोटो लाइक की गई थी। ट्रोलिंग होने पर तब विराट कोहली ने सफाई में कहा था कि उन्होंने अवनीत का फोटो लाइक नहीं की है, ये इंस्टाग्राम के एल्गोरिदम की गलती थी।

जब असली जंजीरों में जकड़ीं मधुबाला, शरीर पर पड़े थे गहरे जख्म

नई दिल्ली। मधुबाला सिनेमा की उम्दा अदाकारा थीं। उनका अभिनय, उनकी खूबसूरती और उनका डेडिकेशन काबिल-ए-तारीफ था। वह किसी भी किरदार को इतनी शिद्दत से निभाती थीं कि वह असली लगता था। एक बार तो उन्होंने एक सीन को रियल बनाने के लिए असली दर्द सहा और कई दिनों तक बेडरेस्ट पर रहीं।

यह किस्सा है 1960 में रिलीज हुई के. आसिफ की कल्ट फिल्म मुगल-ए-आजम (Mughal-E-Azam) का। उस वक्त के सुपरस्टार दिलीप कुमार (Dilip Kumar) और मधुबाला ने फिल्म में मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं।

फिल्म की कहानी सलीम (दिलीप कुमार) की है जिसे एक खूबसूरत तवायफ अनारकली (मधुबाला) से मोहब्बत हो जाती है। वह उसके साथ जिंदगी बिताना चाहता है, लेकिन सलीम के पिता को उनका रिश्ता हरगिज मंजूर नहीं था। वह अनारकली को जेल में कैद कर उसे जंजीरों से बांध देते हैं।

एक्टर बोले- खुद को दुनिया का किंग महसूस कर रहा हूं

ऑस्कर देने वाली संस्था ने शेयर किया शाहरुख खान का वीडियो

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्कर एकेडमी ने शुक्रवार को फिल्म ओम शांति ओम के मशहूर डायलॉग की क्लिप शेयर की, जिस पर रिएक्ट करते हुए एक्टर शाहरुख खान ने कहा कि उन्हें दुनिया का किंग होने जैसा महसूस हो रहा है।

दरअसल, एकेडमी ने फिल्म के अवॉर्ड नाइट सीन का मोनोलॉग शेयर करते हुए लिखा, 'किस्मत के बारे में एक बात... यह कभी नहीं चूकती।'

इस पर शाहरुख ने एक्स पर पोस्ट को रीट्वीट करते हुए लिखा कि ओम की स्पीच ने उन्हें पुरानी यादों में पहुंचा दिया और अब वे खुद को दुनिया का किंग जैसा महसूस कर रहे हैं।

एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज (AMPAS), जिसे दुनिया भर में द एकेडमी के नाम से जाना जाता है, यह संस्था हर साल ऑस्कर अवार्ड प्रदान करती है। फिल्म ओम शांति ओम का डायरेक्शन फराह खान ने किया था।

एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज (AMPAS), जिसे दुनिया भर में द एकेडमी के नाम से जाना जाता है, यह संस्था हर साल ऑस्कर अवार्ड प्रदान करती है।

> वर्क फ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान जल्द फिल्म किंग में नजर आएंगे, जिसे सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में सुहाना खान, अभिषेक बच्चन और दीपिका पादुकोण शामिल हैं।

2007 में रिलीज हुई इस फिल्म से दीपिका पादुकोण ने बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म में अर्जुन रामपाल और श्रेयस तलपड़े भी प्रमुख भूमिकाओं में थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। वहीं, यह भी कहा जा रहा है कि शाहरुख, अल्लू अर्जुन की फिल्म राका में कैमियो कर सकते हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। बता दें कि राका का डायरेक्शन एटली कर रहे हैं, जिन्होंने शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म जवान को डायरेक्ट किया था।

डिजिटल दौर में आध्यात्मिक हो रहे युवा

जेनजी लड़कों का धर्म के प्रति बढ़ा झुकाव, सामने आई रिपोर्ट

बढ़ोतरी

- युवा पुरुषों में धर्म का महत्व 28% से 42% बढ़ा
- दशकों पुरानी लैंगिक धार्मिक असमानता अब उलट गई
- कैथोलिक, ऑर्थोडॉक्स चर्चों में युवा पुरुषों की वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

कई सालों से अमेरिका भर के पादरियों ने अपने चर्चों में युवा पुरुषों की संख्या लगातार बढ़ती देखी है। इन नए आने वाले लोगों का स्वागत तो हो रहा है, लेकिन उनकी यह बढ़ती रुचि अभी भी रहस्य बनी हुई थी। लेकिन अब गैलप के नए सर्वे ने इन अनुभवों को ठोस आंकड़ों के साथ पुष्टि कर दी है।

सर्वे के अनुसार, 30 साल से कम उम्र के पुरुषों में 42% लोग कहते हैं कि उनके जीवन में धर्म बहुत महत्वपूर्ण है। यह आंकड़ा 2023 में सिर्फ 28% था। यह तेज बढ़ोतरी धर्म नेताओं और विद्वानों को हैरान कर रही है।

गैलप के वरिष्ठ पोलस्टर फ्रैंक न्यूपोर्ट ने कहा कि यह एक बहुत शक्तिशाली ऐतिहासिक निष्कर्ष है। उन्होंने बताया कि 1950 के दशक से अब तक धर्म के अध्ययन में सबसे स्थायी बात यही थी कि महिलाएं पुरुषों से ज्यादा धार्मिक होती हैं।

टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी के 21 वर्षीय छात्र मेसन गुब्सर इसी बदलाव का अच्छा उदाहरण हैं। वे पेट्रोलियम इंजीनियरिंग पढ़ रहे हैं। ह्यूस्टन के बाहर रहते हुए उन्हें फोन पर स्क्रॉल करने वाली जिंदगी से ऊब गए थे। देश भर के कैथोलिक चर्च नए सदस्यों की आमद बता रहे हैं। कई ऑर्थोडॉक्स चर्चों में भी उपस्थिति और सदस्यता बढ़ रही है, जिसमें युवा पुरुषों की बड़ी भूमिका है। बाइबिल की बिक्री भी तेजी से बढ़ रही है।

2025 में प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे के अनुसार, लंबे समय की गिरावट के बाद अमेरिका में ईसाई आबादी अब स्थिर हो गई है। 2000 से 2006 के बीच जन्मे युवाओं की धार्मिक पहचान उनके ठीक ऊपर वाले समूह के बराबर है। गैलप सर्वे भी बताता है कि अमेरिका में धर्महीनता की बढ़ोतरी अब रुक रही है। यह लिंग भेद अब राजनीति से भी जुड़ता दिख रहा है। ईसाई पहचान तेजी से दक्षिणपंथी विचारों से जुड़ रही है। सर्वे के मुताबिक, युवा रिपब्लिकन पुरुष और महिलाएं दोनों में हर महीने चर्च जाने की संख्या बढ़ी है। डेमोक्रेट युवा पुरुषों में भी थोड़ी बढ़ोतरी हुई है, लेकिन युवा डेमोक्रेट महिलाएं एकमात्र समूह हैं जिनमें धार्मिक उपस्थिति नहीं बढ़ी।

लंबे समय से चली आ रही लैंगिक असमानता में बदलाव

पहले दशकों तक हर सर्वे में यही दिखता था कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा धार्मिक होती हैं। लेकिन गैलप के इस नए सर्वे ने एक बड़ा उलटफेर दर्ज किया है। 18 से 29 साल की युवा महिलाओं में धर्म का महत्व घट गया है, जबकि युवा पुरुषों में यह काफी बढ़ गया है। अब युवा महिलाएं सभी आयु वर्गों में सबसे कम धार्मिक पाई गई हैं। वे 65 साल से ऊपर की महिलाओं की तुलना में आधे से भी कम कहती हैं कि धर्म उनके जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है।

वायुसेना प्रमुख ने अमेरिका में उड़ाया एफ-15 ईएक्स फाइटर जेट

वॉशिंगटन, एजेंसी

भारतीय वायुसेना के प्रमुख, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने अमेरिका यात्रा के दौरान नेवादा के नेलिस एयर फोर्स बेस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 9 अप्रैल को बोइंग कंपनी के आधुनिक लड़ाकू विमान F-15EX ईगल II में उड़ान भरी। इस उड़ान के दौरान उनके साथ अमेरिकी वायुसेना के मेजर मैथ्यू बेंसन मौजूद थे। यह विमान हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और हवाई प्रभुत्व बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

F-15EX ईगल II विमान को अमेरिका अपने सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में से एक मानता है। नेलिस एयर फोर्स बेस पर हुई इस उड़ान का मकसद आधुनिक हवाई युद्ध में इस विमान की भूमिका को समझना था। अपनी यात्रा के दौरान एयर चीफ मार्शल सिंह ने अमेरिकी वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। इनमें अमेरिकी वायुसेना वारफेयर सेंटर के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल डेविड सी एपर्सन शामिल थे। इस दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल में एयर कमोडोर यशपाल सिंह नेगी भी मौजूद रहे।

रक्षा संबंधों पर हुई चर्चा

बातचीत का मुख्य केंद्र दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास के अवसरों को बढ़ाना और आधुनिकीकरण के प्रयासों को एक साथ लाना था। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और अमेरिका के बीच आपसी तालमेल को और मजबूत करने की जरूरत है। इसमें संयुक्त अभियानों में बेहतर समन्वय, नई तकनीकों को साझा करना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मिलकर काम करने पर ध्यान दिया गया। यह सहयोग भविष्य में दोनों देशों की सैन्य शक्ति को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगा। F-15EX ईगल II की खूबियों की बात करें, तो यह विमान मैक 2.5 की तेज रफ्तार से उड़ सकता है और 50,000 फीट की ऊंचाई तक जा सकता है। यह लगभग 13,381 किलोग्राम वजन का पेलोड ले जाने में सक्षम है। बोइंग के अनुसार, इसमें डिजिटल फ्लाई-बाय-वायर कंट्रोल, आधुनिक मिशन सिस्टम और उन्नत रडार (AESA) लगे हैं। यह विमान 12 AMRAAM को एक साथ ले जा सकता है और हाइपरसोनिक हथियारों का भी समर्थन करता है। इसकी लंबी उम्र और मारक क्षमता इसे आधुनिक युद्ध के लिए बेहद खास बनाती है।

फास्ट न्यूज

हमें मध्यावधि चुनाव जीतने ही होंगे'

वॉशिंगटन । डोनाल्ड ट्रंप ने एरिजोना की रैली में अपनी सरकार की आर्थिक और कूटनीतिक जीत का दावा किया। उन्होंने टैक्स कटौती, सीमा सुरक्षा और महंगाई कम करने को अपनी बड़ी उपलब्धि बताया। ट्रंप ने समर्थकों से मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को जिताने की अपील की ताकि देश मजबूत बना रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एरिजोना में 'टर्निंग पॉइंट अमेरिका' के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

अफ्रीका का चक्कर लगाकर मिडिल ईस्ट जा रहा अमेरिकी वॉरशिप

वॉशिंगटन डीसी। समुद्र में दुनिया के सबसे ताकतवर जंगी जहाजों में शामिल अमेरिका का विशाल एयरक्राफ्ट कैरियर USS जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश सीधा रास्ता छोड़कर लंबा चक्कर लगा रहा है।

यह जहाज अब डेढ़ गुना ज्यादा दूरी तय करते हुए अफ्रीका का पूरा चक्कर लगाकर ईरान के करीब पहुंच रहा है।

फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी कैरियर जिब्राल्टर, भूमध्य सागर और स्वेज नहर होते हुए रेड सी से गुजरते हैं। लेकिन इस बार अमेरिकी नौसेना ने यह रास्ता नहीं चुना है।

पाकिस्तान सेना-बलोच विद्रोहियों में भीषण गोलीबारी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सेना व बलोच विद्रोहियों में भीषण गोलीबारी चल रही है। स्थिति यह है कि सैन्य अभियानों के बीच खारान, खुजदार और मस्तुंग सहित कई जिलों में हिंसा से विद्रोह और व्यापक हो गया है। सेना-विद्रोहियों में सशस्त्र झड़पों के बीच बड़ी संख्या में सैकड़ों की संख्या में आम नागरिक हताहत हुए हैं।

'भारत की ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता के लिए न्यूक्लियर पावर जरूरी'

लंदन, एजेंसी

अमेरिका के पूर्व ऊर्जा सचिव और नोबेल पुरस्कार विजेता स्टीवन चू ने कहा है कि परमाणु ऊर्जा भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता का आधार बन सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि भूराजनीतिक तनाव वैश्विक ईंधन बाजार की कमजोरियों को उजागर कर रहे हैं। चू ने भारत के साथ स्वच्छ ऊर्जा सहयोग बढ़ाने में अमेरिकी ऊर्जा नीति का नेतृत्व किया था। स्टीवन चू ने भारत के साथ क्लीन एनर्जी सहयोग बढ़ाने के समय अमेरिकी एनर्जी पॉलिसी का नेतृत्व किया था। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत रहे हैं और सतत व टिकाऊ लक्ष्यों पर केंद्रित रहे हैं। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएन-एस को एक इंटरव्यू में बताया, 'जब मैं ऊर्जा सचिव था, तो भारत में अपने समकक्षों के साथ मेरे बहुत करीबी और अच्छे संबंध थे। वे उन दिनों सस्टेनेबिलिटी, जलवायु परिवर्तन, इन सभी चीजों को लेकर बहुत गंभीर थे।' 'मुझे उम्मीद है कि भारत इन आदर्शों के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। शायद अमेरिका में थोड़ी रुकावट आई है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि हम इस प्रतिबद्धता पर वापस लौटेंगे।' चू ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए बड़ी अर्थव्यवस्था को मिलकर काम करना होगा और कहा, 'भविष्य में दुनिया को आगे ले जाने में भारत, चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे बड़े देशों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। ये देश मिलकर ही दुनिया की दिशा तय करेंगे।' भविष्य में सहयोग के क्षेत्र पर, उन्होंने न्यूक्लियर एनर्जी और नई रिएक्टर टेक्नोलॉजी की ओर इशारा किया और कहा, 'मुझे लगता है कि भारत ब्रीडर रिएक्टर डेवलप कर रहा है, जो बहुत बढ़िया है।

अमेरिका ने प्रतिबंधों में छूट फिर से बढ़ाई, ट्रंप प्रशासन ने रूसी तेल खरीद पर छूट बहाल की

रूस से अब और तेल खरीद पाएगा भारत

- भारत ने रूस से तेल खरीद जारी रखने की पुष्टि की।
- यह छूट वैश्विक ऊर्जा कीमतों को नियंत्रित करने हेतु है।

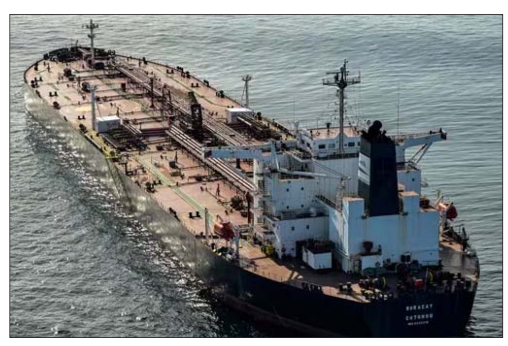

नई दिल्ली, एजेंसी

ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को एक छूट को फिर से लागू किया, जिससे देशों को समुद्र में रूसी तेल और पेट्रोलियम उत्पाद खरीदने की अनुमति मिल गई। यह छूट लगभग एक महीने के लिए है। इससे दो दिन पहले ही प्रशासन ने छूट देने से इनकार कर दिया था। ट्रेजरी विभाग ने शुक्रवार देर रात अपनी वेबसाइट पर यह लाइसेंस जारी किया। इसके तहत, देशों को शुक्रवार तक जहाजों पर लादे गए रूसी तेल को 16 मई तक खरीदने की अनुमति मिल गई है। हालांकि, भारत ने स्पष्ट कर दिया था कि वह इस फैसले से प्रभावित नहीं होगा और रूस से कच्चा तेल और एलपीजी खरीदना जारी रखेगा। बेसेंट ने पिछले महीने कहा था कि ईरानी छूट की वजह से लगभग 140 मिलियन बैरल तेल वैश्विक बाजारों तक पहुंच पाया और युद्ध के दौरान ऊर्जा आपूर्ति पर पड़े दबाव को कम करने में मदद मिली।

रूसी राष्ट्रपति के दूत किरिल दिमित्रीव ने कहा था कि पहली छूट से 10 करोड़ बैरल रूसी कच्चा तेल उपलब्ध हो जाएगा, जो लगभग एक दिन के वैश्विक उत्पादन के बराबर है। हालांकि प्रतिबंधों में मिली इस राहत से दुनिया भर में तेल की आपूर्ति में अस्थायी बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन इससे पेट्रोलियम की कीमतों में उछाल को रोका नहीं जा सका है।

ईरान, क्यूबा और उत्तर कोरिया से लेन-देन शामिल नहीं

यह लाइसेंस वैश्विक ऊर्जा कीमतों को नियंत्रित करने के प्रशासन के प्रयासों का एक हिस्सा है। ये कीमतें ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध के दौरान काफी बढ़ गई थीं। इस लाइसेंस में ईरान, क्यूबा और उत्तर कोरिया से जुड़े लेन-देन शामिल नहीं हैं। इससे पहले बुधवार को ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि वॉशिंगटन रूसी तेल के लिए मिली छूट और ईरानी तेल के लिए मिली एक और छूट को आगे नहीं बढ़ाएगा, जिनकी समय सीमा रविवार को खत्म होने वाली है।

जापान में कांपी धरती महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

पीएम सनाए ताकाइची ने लोगों से अलर्ट रहने की अपील की

टोक्यो, एजेंसी

जापान के उत्तरी नागानो प्रांत में शनिवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 1:20 बजे यह भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.0 मापी गई।

प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने इस प्राकृतिक आपदा पर तुरंत संज्ञान लिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि भूकंप का केंद्र उत्तरी नागानो में था। ओमाची शहर में सबसे ज्यादा असर देखा गया। प्रधानमंत्री ने स्थिति को संभालने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय के संकट प्रबंधन केंद्र में एक विशेष संपर्क कक्ष स्थापित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नुकसान का जल्द से जल्द पता लगाएं और जनता तक सटीक जानकारी पहुंचाएं।

प्रधानमंत्री ने प्रभावित इलाकों के लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले समय में भी इसी तरह की तीव्रता वाले झटके महसूस हो सकते हैं। 'द जापान टाइम्स' के अनुसार, मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल इस भूकंप से सुनामी आने का कोई खतरा नहीं है। भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

कई शहरों में भूकंप का असर अलग-अलग रहा। ओमाची शहर में तीव्रता पांच (ऊपरी स्तर) और नागानो शहर में तीव्रता पांच (निचली स्तर) दर्ज हुई। ओगावा गांव में तीव्रता चार और मात्सुमोतो शहर में तीव्रता तीन रही। पहले झटके के लगभग दो घंटे बाद, दोपहर 3:30 बजे ओमाची में एक और भूकंप आया, जिसकी तीव्रता ती थी। सुरक्षा के लिहाज से परमाणु संयंत्रों की भी जांच की गई। टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने बताया कि पड़ोसी निगाटा प्रांत में स्थित काशीवाजाकी-कारीवा न्यूक्लियर पावर प्लांट पूरी तरह सुरक्षित है। वहां किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं मिली है।

इस हफ्ते सोने-चांदी में बढ़त रही

सोना 1,328 बढ़कर 1.52 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ, चांदी 10 हजार महंगी हुई

कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में बढ़त रही। सोना 1,328 रुपए बढ़कर 1.52 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 10 अप्रैल, शुक्रवार को 1.50 लाख रुपए पर था। वहीं चांदी 2.40 लाख रुपए किलो से बढ़कर 2.50 लाख रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 10,006 रुपए बढ़ी है। सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है। कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.50 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सोना इस साल 18 हजार और चांदी 20 हजार महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 18,460 रुपए और चांदी 19,520 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

मैग्नेट टेस्ट: असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।

आइस टेस्ट: सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है।

स्मेल टेस्ट: असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।

क्लॉथ टेस्ट: चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

ऐलान : एक बैरल का दाम 99.39 से घटकर 86 डॉलर हुआ, अमेरिकी शेयर बाजार 2% चढ़ा

होर्मुज रूट खुलने के बाद कच्चा तेल 13% सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान के होर्मुज रूट को कॉमर्शियल जहाजों के लिए पूरी तरह खोलने के ऐलान के बाद क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) 13% सस्ता हुआ है। शुक्रवार, 17 अप्रैल को दाम करीब 13 डॉलर गिरकर 86 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं।

एक दिन पहले क्रूड ऑयल की कीमत 99.39 डॉलर प्रति बैरल थी। 28 फरवरी को जंग शुरू होने से पहले कच्चा तेल 73 डॉलर प्रति बैरल था। जंग के दौरान 9 मार्च को दाम बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गए थे।

तब से पेट्रोल-डीजल के रेट बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, तेल सस्ता होने से अब यह आशंकाएं भी खत्म हो गई हैं।

ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर लिखा- 'ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को फिर कभी बंद न करने पर सहमति जताई है। अब इसका इस्तेमाल दुनिया के खिलाफ एक हथियार के तौर पर नहीं किया जाएगा।'

कच्चा तेल भारत के लिए जरूरी है, क्योंकि हम करीब 85% तेल आयात करते हैं। तेल की कीमतें गिरने पर अर्थव्यवस्था को कई मोर्चों पर राहत मिलती है।

आईएनजी (ING) के एनालिसिस के अनुसार, युद्ध की वजह से बाजार में रोजाना लगभग 1.3 करोड़ बैरल तेल की सप्लाई प्रभावित हो रही थी। हालांकि, वैकल्पिक पाइपलाइन रूटों का इस्तेमाल किया गया, लेकिन सप्लाई पर दबाव बना रहा। अब इस जलमार्ग के खुलने से उम्मीद की जा रही है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और एनर्जी मार्केट में स्थिरता लौटेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को कहा था कि ईरान युद्ध जल्द ही खत्म होना चाहिए। लास वेगास के एक कार्यक्रम में उन्होंने संघर्ष के सकारात्मक दिशा में बढ़ने की बात कही और कहा कि तेहरान 'डील' करने के लिए काफी उत्सुक है।

अमेरिका का डाउ जोन्स करीब 1,000 अंक चढ़ा

कच्चे तेल की कीमत गिरने से ग्लोबल मार्केट में भी बड़ी हलचल देखने को मिल रही है। अमेरिका का डाउ जोन्स करीब 1,000 अंक की तेजी के साथ 49,500 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। S&P 500 में 1.12% और नैस्डैक इंडेक्स में 1.04% की बढ़त देखने को मिल रही है।

> “ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि इजराइल और लेबनान के बीच युद्धविराम के मद्देनजर होर्मुज रूट को सभी व्यापारिक जहाजों के लिए पूरी तरह खोल दिया गया है। मिडिल ईस्ट में तनाव कम होने की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ा तनाव 'एक घंटे में सात दावे, सभी झूठे'

ट्रंप की नाकाबंदी पर गालिबाफ का सख्त पलटवार

तेहरान, एजेंसी

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। एक ओर दोनों देशों के बीच बातचीत की कोशिशें जारी हैं, तो दूसरी ओर बयानबाजी ने हालात को और अधिक गरमा दिया है। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक घंटे में सात दावे किए, जिनमें से सातों झूठे थे। हालांकि गालिबाफ ने यह साफ नहीं किया कि वे किन बयानों की बात कर रहे थे। ट्रंप को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अमेरिका ने नौसैनिक नाकाबंदी जारी रखी, तो ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने पर मजबूर हो सकता है।

गालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (एक्स) पर लिखा कि होर्मुज से जहाजों की आवाजाही केवल तय रूट और ईरानी अनुमति के आधार पर ही होगी। उन्होंने साफ कहा कि नाकाबंदी जारी रही तो जलडमरूमध्य खुला नहीं रहेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर कई बड़े दावे किए हैं। उनके अनुसार ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने और इसे कभी बंद न करने पर सहमति जताई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी तब तक जारी रहेगी, जब तक दोनों देशों के बीच कोई अंतिम समझौता नहीं हो जाता। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान के साथ रविवार से बातचीत आगे बढ़ेगी और इसका उद्देश्य स्थायी सीजफायर की दिशा में ठोस कदम उठाना होगा।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96